हिन्दी दैनिक

राष्ट्र संवाद

आपका राष्ट्र, आपका संवाद

जमशेदपुर से प्रकाशित

मूल्य : दो रुपए

जमशेदपुर,
बुधवार 5 फरवरी 2025

नगर संस्करण
वर्षः 01,अंकः264

RNI No. : JHAHIN - 01092

rashtrasamvad.com

सुविचार

किसी को इतनी भी अहमियत ना दो
की वो आपको ही भूल जाये ।

मस्जिद या दरगाह की एक इंच भी नहीं छोड़ेंगे

वक्फ कानून पर भरी संसद ओवैसी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली ,एजेंसी। लोकसभा में वक्फ कानून संशोधन को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र पर जमकर हमला बोला है। सदन में अपने भाषण के दौरान वक्फ कानून संशोधन का जिक्र करते एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी। ओवैसी ने कहा कि अगर सरकार मौजूदा रूप में वक्फ कानून लेकर आई, तो यह संविधान के अनुच्छेद 25, 26 और 14 का उल्लंघन होगा और इससे देश में सामाजिक अस्थिरता पैदा होगी। उन्होंने कहा,इस कानून को पूरी मुस्लिम बिरादरी ने खारिज कर दिया है। अगर यह पास हुआ, तो कोई भी वक्फ प्रॉपर्टी नहीं बचेगी। आप विकसित भारत बनाना चाहते हैं, हम भी यही चाहते हैं, लेकिन आप इस देश को 80 और 90 के दशक में ले जाना चाहते हैं। अगर ऐसा हुआ, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी आपकी होगी। ओवैसी ने वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कहा, एक गर्वित भारतीय मुसलमान होने के नाते, मैं अपनी मस्जिद का एक इंच भी नहीं खोऊंगा। मैं अपनी दरगाह का एक इंच भी नहीं छोड़ूंगा।

गुजरात में भी यूसीसी लागू करने की तैयारी

सीएम ने मसौदा तैयार करने के लिए बनाई 5 सदस्यीय कमेटी, 45 दिन में रिपोर्ट मांगी

अहमदाबाद ,एजेंसी। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी जल्द यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता (UCC) लागू हो सकता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को मसौदा तैयार करने के लिए 5 सदस्यीय कमेटी की घोषणा की। सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस रंजना देसाई को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा कमेटी में 4 सदस्य होंगे। कमेटी 45 दिनों में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर UCC लागू करने का फैसला लिया जाएगा। एक अधिकारी के मुताबिक, समिति रिपोर्ट तैयार करने के लिए मुस्लिम समुदाय और दूसरे धार्मिक नेताओं से भी मुलाकात करेगी। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा- UCC लागू होने पर आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा होगी।

महाकुंभ में आज आस्था की डुबकी लगाएंगे पीएम मोदी

प्रयागराज,एजेंसी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को प्रयागराज पहुंच रहे हैं। वह 5 फरवरी को महाकुंभ में पवित्र स्नान करेंगे। जानकारी के अनुसार पीएम मोदी सुबह लगभग 10 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वीआईपी मूवमेंट के तहत पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रधानमंत्री अरल घाट से नाव के जरिए 10 बजकर 50 मिनट पर महाकुंभ पहुंचेंगे। उनके साथ भूटान के नरेश भी मौजूद रहेंगे। वहीं 11 बजे से 11.30 तक पीएम मोदी महाकुंभ में रहेंगे। पीएम मोदी गंगा स्नान करने के संगम पहुंचेंगे। संगम पूजन, आरती और स्नान के बाद सेक्टर 6 में लगाए गए स्टेट पवेलियन का अवलोकन करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी नेत्र महाकुंभ भी जा सकते हैं। अंत में 12 बजकर 30 मिनट पर प्रयागराज से वायुसेना के विमान से वापस दिल्ली लौट जाएंगे। सीएम योगी करेंगे आगवानीपीएम मोदी के आगमन की तैयारियों की समीक्षा के लिए चार फरवरी को सीएम योगी प्रयागराज पहुंच गए हैं। वह यहां सभी तैयारियों का अच्छे से जायजा लेंगे। इसके बाद पांच फरवरी को भी योगी आदित्यनाथ पीएम मोदी का स्वागत करेंगे।

जेएमएम के 53 वां स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन सहित कई मंत्री हुए शामिल

हेमन्त और कल्पना ने कोयला बकाया को लेकर केंद्र सरकार पर किया प्रहार

सरकार बनाने के लिये मंईयां को दिया धन्यवाद

राष्ट्र संवाद संवाददाता

धनबाद। धनबाद गोल्फ ग्राउंड रणधीर वर्मा स्टेडियम में जेएमएम ने 53वां स्थापना दिवस मनाया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ने किया।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मुख्य अतिथि, गांडेय विधायक कप्पना सोरेन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुई।साथ ही मंत्री हफीजुल हसन,योगेंद्र महतो,विधायल सह सचेतक मथुरा महतो,पूर्व मंत्री बेबी देवी,मिथलेश ठाकुर सहित पार्टी के नेता पदाधिकारी शामिल हुए।वहीं धनबाद के साथ साथ गिरिडीह, बोकारो जामताड़ा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।आदिवासी परम्परागत वेशभूषा में पुरुष महिला मादर, तीर,धनुष लेकर भी कार्यक्रम में पँहुचे।

कार्यक्रम स्थल पहुँचने से पहले मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन,विधायक सह मुख्यमंत्री धर्मपत्नी कल्पना सोरेन बरवाअड्डा हवाईअड्डा में हेलीकॉप्टर से पहुँची।डीसी माधवी मिश्रा व एसएसपी एचपी जनार्दनन ने बुके देकर स्वागत किया।जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।वहीं स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन,विधायक कल्पना सोरेन केंद्र सरकार पर जमकर प्रहार की।कल्पना सोरेन ने स्थापना दिवस में पँहुचे कार्यकर्ताओ का अभिवादन जोहार कह की।वहीं कल्पना सोरेन ने अपने सम्बोधन में कहा कि पिछले साल ईडी द्वारा मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को गिरफ्तार करने की कार्रवाई किया गया था।वह दिन राज्य के लिये काला दिन है।ईडी कार्रवाई में जेल मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गए थे।पाँच महीने बाद जेल से गुरुजी बनकर निकले थे।केंद्र सरकार 1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया रखी है जो नही दे रही।

बकाए पर ब्रेकअप दे राज्य सरकार,भाजपा करेगी मदद : बाबूलाल

बोकारो । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को बोकारो में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 1.36 लाख करोड़ पर झामुमो केवल राजनीति कर रहा है। झामुमो को इस संबंध जनता को विस्तृत रूप से बताना चाहिए कि आखिर कब का,किस किस मद में कितना बकाया है। उन्होंने कहा कि सामान्य व्यक्ति भी किसी से बकाया मांगता है तो देनदार व्यक्ति इससे उसका डिटेल मांगता है। हिसाब चाहता है। ऐसे ही कुछ बोल देने से कुछ नहीं मिलता। बाबूलाल बोकारो में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार बजट पेश करती है तो बताती है कि किस मद में कितना राशि आवंटित की गई है। सरकार पर कितना उधार है। सरकार खर्च के लिए पैसे कहां से लाएगी। कितना केंद्रीय अनुदान मिलेगा। ये सारी बातें जनता को बताना पड़ता है। उन्होंने कहा कि 1.36 लाख करोड़ के विषय में भी यही बात होनी चाहिए। राज्य सरकार विस्तार से बताए कि कब का कितना बकाया केंद्र सरकार पर है। कहा कि राज्य सरकार रोज योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए विज्ञान देती रहती है।

दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने छात्राओं को शिक्षा और संघर्ष को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। महिला विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में झारखण्ड के महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार शामिल हुए। इस दौरान स्मारिका का विमोचन कर 72 छात्राओं को डिग्री बाँटी।

मौके पर कुलपति डॉक्टर प्रोफेसर अंजिला गुप्ता विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुईं. दोनों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और छात्राओं को उनकी उत्कृष्टता के लिए डिग्री और मेडल से सम्मानित किया गया. समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी वोकेशनल, बीएड और एमएड की छात्राओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए डिग्री के साथ-साथ गोल्ड मेडल भी प्रदान किए गए. इस कार्यक्रम में कुल 32 गोल्ड मेडलिस्ट छात्राओं को उनके अद्वितीय शैक्षिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया. गणित विभाग की मुस्कान महतो को ÷ओवरऑल बेस्ट ग्रेजुएट÷ के खिताब से नवाजा गया, जो विश्वविद्यालय में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्रा थीं. साथ ही, स्नातक 2021-24 बैच की अन्य रैंक होल्डर छात्राओं को भी उनके विषयवार प्रदर्शन के लिए मेडल दिए गए. कुल 59 छात्राओं को उनके संबंधित विषयों में टॉप करने के लिए सम्मानित किया गया

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इस अवसर पर छात्राओं को शिक्षा और संघर्ष को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी. उन्होंने कहा, शिक्षा ही सफलता की कुंजी है, और यह एक शक्तिशाली उपकरण है जो आपको जीवन में आगे बढ़ने की दिशा प्रदान करता है. कहा कि आज पूरे देश में पूरी दुनिया में महिलाएं नाम कमा रही है. वह देश का नाम रोशन कर रही है.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है. उसमें उम्मीद है कि बालिकाओं व महिलाओं की अहम भूमिका होगी. आज देश भर में ही नहीं दुनिया में झारखंड की बेटियां नाम रोशन कर रही है. समारोह में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. किश्वर आरा, प्रॉक्टर डॉ0सुधीर कुमार साहु, कुलसचिव राजेंद्र जायसवाल, परीक्षा नियंत्रक रमा सुब्रमण्यन, वित्त पदाधिकारी डॉ. जावेद अहमद, विकास पदाधिकारी डॉ. सलोमी कुजूर, स्पोर्ट्स और कल्चर कमिटी के चेयरमैन डॉ. सनातन दीप, आइक्यूएसी डायरेक्टर ,डॉ. रत्ना मित्रा और सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष व सैकड़ों छात्राएं व शिक्षाविद मौजूद थे।

दिल्ली चुनावःआज वोटिंग, 8 को रिजल्ट

केजरीवाल ने चुनाव आयोग पहुंचकर अपनी मांगें रखीं

बोले- भाजपा और दिल्ली पुलिस गुंडागर्दी कर रही; EC ने दबाव बनाने की बात कही थी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल मंगलवार शाम चुनाव आयोग (EC) के दफ्तर पहुंचे। उन्होंने आयोग के सामने अपनी मांग रखीं। इससे पहले श्वष्ट ने कहा था कि दिल्ली चुनाव से पहले पॉलिटिकल पार्टियां कमिशन पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही हैं।

दफ्तर से निकलकर अरविंद केजरीवाल ने कहा- हमने आयोग के सामने कुछ मुद्दे उठाए हैं, जिनकी वजह से कुछ जगह हिंसा हुई है। हमने बताया कि भाजपा और दिल्ली पुलिस जगह-जगह गुंडागर्दी कर रही है, चुनाव आयोग ने इस पर सख्त एक्शन लेने और निष्पक्ष चुनाव करवाने की बात कही।

उन्होंने कहा- चुनाव आयोग को बताया कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं के साथ दमन और हिंसा हो सकती है। आज रात लोगों की उंगलियों पर जबरन स्याही लगाई जाएगी और उन्हें कल मतदान न करने के लिए धमकाया जाएगा।

हालांकि अपने इस बयान में आयोग ने किसी भी पार्टी का नाम नहीं लिया है। आयोग ने कहा कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव साफ-सुथरे होंगे।

यमुना में जहर वाले बयान पर केजरीवाल के खिलाफ FIR, हरियाणा के लोकल कोर्ट ने आदेश दिया

यमुना में जहर वाले बयान पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ हरियाणा में FIR दर्ज की गई। यह मुकदमा कुरुक्षेत्र के लोकल कोर्ट के शाहबाद पुलिस थाने में दर्ज किया गया है। 27 जनवरी को केजरीवाल ने यमुना के पानी को जहरीला करने का आरोप लगाया था। केजरीवाल ने कहा था कि दिल्ली के लोगों को पीने के लिए पानी हरियाणा और उत्तर प्रदेश से मिलता है। भाजपा की हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी को जहरीला कर दिया है। इससे पहले 29 जनवरी को सोनीपत कोर्ट ने भी केजरीवाल को इस मामले में नोटिस भेजा था। हरियाणा सिंचाई विभाग के एक अधिकारी ने सोनीपत सीजेएम नेहा गोयल की कोर्ट में शिकायत दायर की थी।

लोकसभा में पीएम मोदी बोले:हमने गरीबों को सिर्फ खोखले नारे नहीं दिए, विकास की मुख्यधारा से जोड़ा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि देश की जनता ने मुझे 14वीं बार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने का मौका दिया है।

मैं जनता का आदरपूर्वक आभार व्यक्त करता हूं। कल और आज सभी माननीय सदस्यों ने धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने विचार व्यक्त किए। यह स्वाभाविक है और लोकतंत्र की परंपरा है, जहां जरूरत थी, वहां प्रशंसा हुई और जहां कुछ समस्या थी, वहां कुछ नकारात्मक बातें भी कही गईं।पीएम मोदी ने कहा कि हम 2025 में हैं। एक तरह से 21वीं सदी का 25 प्रतिशत हिस्सा बीत चुका है। आजादी के बाद 20वीं सदी और 21वीं सदी के पहले 25 वर्षों में क्या हुआ, यह तो समय ही तय करेगा। लेकिन अगर हम राष्ट्रपति के अभिभाषण का सूक्ष्मता से अध्ययन करें, तो यह स्पष्ट है कि उन्होंने आने वाले 25 वर्षों और विकसित भारत को लेकर लोगों के बीच विश्वास कायम करने की बात कही। उनका संबोधन विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करता है, नया आत्मविश्वास पैदा करता है और आम लोगों को प्रेरित करता है।

पांच दशक तक हम गरीबी हटाओ के नारे सुनते रहे। आज 25 करोड़ गरीब गरीबी को परास्त कर उससे ऊपर उठ गए हैं। ये अचानक नहीं हुआ है। ये योजनाबद्ध तरीके से हुआ है, समर्पित प्रयासों के कारण हुआ है, गरीबों के संघर्ष के प्रति गहरी संवेदनशीलता के कारण हुआ है। जब कोई गरीबों की सेवा में अपना जीवन समर्पित करता है, तो ऐसे परिणाम मिलते हैं। जो लोग जमीन से जुड़े होते हैं, जो इसकी वास्तविकताओं को समझते हैं और इसके लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं, वे निश्चित रूप से बदलाव लाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमने गरीबों को सिर्फ खोखले नारे नहीं दिए, हमने असली विकास किया। गरीबों के संघर्ष, आम आदमी की कठिनाइयों और मध्यम वर्ग की चुनौतियों को समझने के लिए सच्ची प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। दुख की बात है कि कुछ लोगों में यह सब नहीं है। जो लोग झुग्गी-झोपड़ियों में फोटो सेशन कराकर अपना मनोरंजन करते रहते हैं, उन्हें संसद में गरीबों पर चर्चा बोरिंग लगेगी।

फूस की और प्लास्टिक की कच्ची छत के नीचे जीवन गुजारना कितना मुश्किल होता है। कुछ ऐसे पल भी होते हैं, जब सपने रौंद दिए जाते हैं और ये हर कोई नहीं समझ सकता है।

लोकसभा में अखिलेश ने महाकुंभ में हताहतों की संख्या पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने लोकसभा में मंगलवार को महाकुंभ के दौरान हुए हादसे में हताहतों की संख्या पर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि सरकार बताए कि महाकुंभ भगदड़ में कितने लोगों की मौत हुई है। संसद के बजट सत्र की शुरुआत से ही समाजवादी पार्टी लगातार इस मुद्दे को उठा रही है। राष्ट्रपति के आभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए अखिलेश ने मांग की कि महाकुंभ प्रबंधन के बारे में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए। अखिलेश ने कहा कि उनका मानना है कि महाकुंभ के आपदा प्रबंधन और खोया-पाया केंद्र की जिम्मेदारी सेना को सौंप देनी चाहिए। इसके अलावा महाकुंभ त्रासदी के पीछे जिम्मेदार लोगों के खिलाफ दंडनीय कार्रवाई होनी चाहिए और उन लोगों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए जो इसे 'कवर' करने की कोशिश कर रहे हैं।

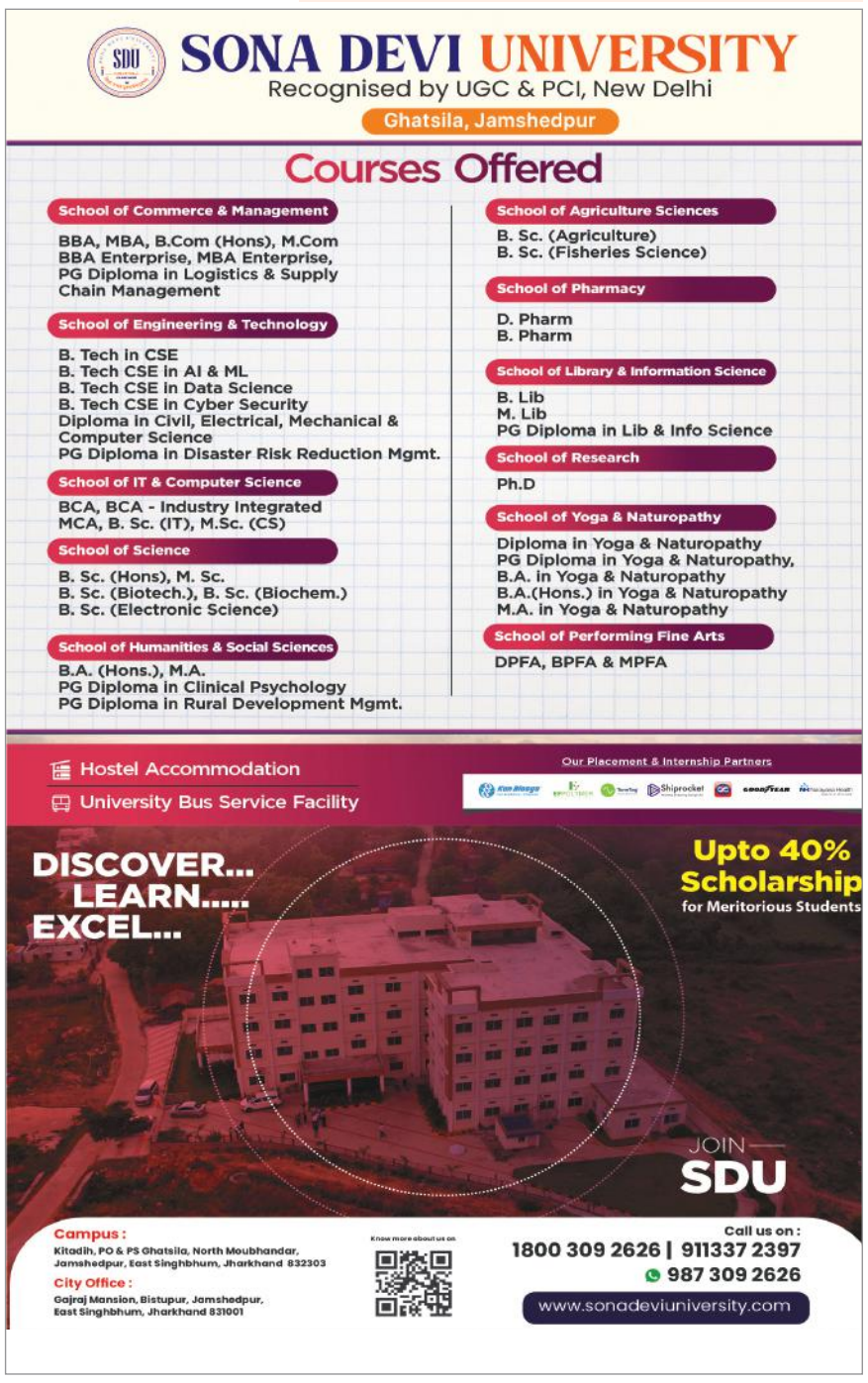

मानगो पेयजल परियोजना में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगीः सरयू राय

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने मंगलवार को दो टूक कहा कि मानगो पेयजल परियोजना में किसी भी किस्म की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह चेतावनी उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता (सिविल) को दी है। श्री राय ने साफ-साफ कहा कि जनसुविधाएं मुहैया करने वाली परियोजनाओं के परिचालन में पहले जैसी लापरवाही बरतने का अंजाम ठीक नहीं होगा। अधिकारीगण पूर्ववर्ती कार्यकाल की कार्य संस्कृति में बदलाव लाएं।

यहां जारी एक बयान में श्री राय ने कहा कि मानगो स्थित पृथ्वी पार्क की पानी टंकी का उद्घाटन हुए एक सप्ताह बीत गया, मगर

इस टंकी से पेयजलापूर्ति सही ढंग से नहीं हो रही है। कृष्णा नगर, शांति नगर, चिटाईकुली जैसे इलाकों में एक दिन भी पानी नहीं गया। रामकृष्ण कॉलोनी तक भी पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है।

श्री राय ने कहाः मुझे जानकारी मिली है कि कहीं कहीं पाईप लीक है। यह भी जानकारी मिल रही है कि पानी टंकी को पूरा नहीं भरा जा रहा है। इंटेकवेल, ट्रीटमेंट प्लांट और टंकियों में लगाने के लिए नए मोटर पंप ख़रीदने की दिशा में भी पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। कुछ दिन पहले विभागीय प्रधान सचिव के निर्देश पर अधीक्षण अभियंता, सिविल एवं मैकेनिकल का संयुक्त निरीक्षण मानगो पेयजल परियोजना की स्थिति का जायज़ा लेने के लिए हुआ था, इसके बावजूद परियोजना के परिचालन में शिथिलता की बात समझ में नहीं आती। श्री राय ने कार्यपालक अभियंता (सिविल) से फोन पर साफ शब्दों में कहा कि पृथ्वी पार्क पानी टंकी से बुधवार से हर हाल में पेयजल की आपूर्ति करना सुनिश्चित करें।

सेव द गर्ल चाइल्ड कैंपेनः बेटी है कुदरत का उपहार, बिना इसके सुना संसारः उपायुक्त

गोड्डा, राष्ट्र संवाद सं

जिला स्वास्थ्य समिति के द्वारा सेव द गर्ल चाइल्ड अभियान के तहत स्थानीय महिला कॉलेज से कारगिल चौक होते हुए सिविल सर्जन कार्यालय ,गोड्डा तक जागरूकता रैली निकाली गई।

कार्यक्रम की शुरूआत जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त श्री जिशान कमर के द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को बेटी के महत्व और उसकी शिक्षा के अधिकार के बारे में जागरूक करना है ताकि समाज में बेटियों के प्रति समानता और सम्मान बढ़ सके। भ्रूण हत्या के कारण लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की संख्या कम हो रही

है। बेटियां सृष्टि की अनमोल धरोहर है, भ्रूण हत्या और लिंग भेद जैसी कुप्रथाएं हमारे समाज के माथे पर कलंक के समान है।

उपायुक्त के द्वारा जानकारी दी गई कि प्री कंसेप्सनल एंड प्री नेटल डायग्नोस्टिक तकनीक अधिनियम (पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट) 1994 के तहत गर्भ परीक्षण अपराध है। इस कारण कोई भी अल्ट्रा सांउड संचालक गर्भ परीक्षण करेंगे तो दोषियों को एक्ट के तहत कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। डिकॉय योजना के तहत समुचित जानकारी देने वाले मुखबिर,गर्भवती महिला एवं सहयोगी को नियमानुसार पुरस्कृत किए जाने का प्रावधान है। इस दौरान एएनएम ,शहरी सहिया, स्कूली छात्राओं तथा उपस्थित अधिकारियों ने ₹बेटी है अनमोल उपहार, जीवन है उनका अधिकार जैसे नारे लगाए।

उपरोक्त के अलावा अनुमंडल पदाधिकारी श्री बैद्यनाथ उरांव , सिविल सर्जन डॉ0 अनंत कुमार झा, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती मिथिला टुडू ,जिला शिक्षा अधीक्षक श्री दीपक कुमार ,राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन श्री प्रणेश सोलोमन, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य इकरारउल हसन,प्रोफेसर महिला महाविद्यालय श्रीमती नूतन झा ,जिला कुष्ठ पदाधिकारी श्री प्रीतम कुमार दत्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रवि रंजन कुमार सिंह, जिला डाटा प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार, शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक श्री जयशंकर,बीटीटी प्रहलाद कुमार बेबी कुमारी एएनएम आराधना कुमारी ,माला कुमारी एवं शहरी साहिया उपस्थित थे।

नगड़ी मेंऑटो-रिक्शा पर लाइट का खंभा गिरने से दो लोगों की मौत, पांच घायल

राष्ट्र संवाद संवाददाता

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची के पास मंगलवार को एक ऑटो-रिक्शा पर लाइट वाला खंभा गिर गया, जिससे उसमें सवार दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि यह घटना रांची से लगभग 18 किलोमीटर दूर नगरी थाना क्षेत्र के एक टोल प्लाजा के पास हुई।

नगरी थाने के प्रभारी अभिषेक राय ने कहा कि एक ह्यहाई मास्ट लाइटिंग टावरह्न अचानक उखड़कर सड़क पर खड़े ऑटो-रिक्शा पर गिर गया, जिसमें लगभग आठ यात्री सवार थे।

राय के अनुसार, घटना में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोगों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि टावर संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण गिरा, क्योंकि यह उचित तरीके से नहीं लगाया गया था।

संक्षिप्त खबरें

मुहं का कैंसर महिला और पुरूष दोनों में होता है जिला आरसीएच पदाधिकारी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जनजागरूकता हेतु बोकारो जिला अन्तर्गत विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रैली, स्क्रीनिंग कैम्प, समूह बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में डा0 सेलीना टूडू की अध्यक्षता में जागरूकता रैली सदर अस्पताल से गरगा पुल तक के लिये रवाना किया गया।

मुहं का कैंसर महिला और पुरूष दोनों में होता-

जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ सेलीना टूडू ने बताया कि कैंसर तेजी से बढती गम्भीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। कैंसर के बढते खतरों को लेकर लोगों को जागरूक करने हेतु जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। एन0सी0डी0 कोषांग द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थानों में मुख कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर एवं सर्वाईकल कैंसर की जांच की जाती है। उन्होंने आगे बताया कि भारत ही नही दुनियाभर में महिलाये ब्रेस्ट और सर्वाईकल यानी बच्चेदानी के कैंसर का सामना कर रही हैं। उसी तरह मुहं का कैंसर महिला और पुरूष दोनों में होता है। इससे स्पष्ट है कि कैंसर का जोखिम महिलाओं में अधिक है।

सेव द गर्ल चाइल्ड के तहत अल्ट्रासाउन्ड केंद्रों का निरीक्षण

सेव द गर्ल चाइल्ड कैंपेनः कार्यक्रम के अन्तर्गत आज दिनांक 04.02.2025 को सिविल सर्जन डॉ० बी० पी० सिंह द्वारा विभागीय आदेश का अनुपालन करते हुए दुमका जिला अंतर्गत संचालित 04 अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों नमो नंदी अल्ट्रासाउंड, जरमुण्डी, स्ट. उसुर्ला हेल्थ सेंटर, बक्सीबाँध रोड़ दुमका, हेल्थमाप डाईग्नोस्टिक पीवीटी. एलटीडी., दुमका तथा सुपरइटेंडेंट, पीजेएमसीएच, दुमका का औचक निरीक्षक किया गया। निरीक्षण में किसी भी अल्ट्रासाउण्ड केन्द्र में पीसी&पीएनडीटी एक्ट का उल्लंघन नहीं पाया गया। निरीक्षण के क्रम में पाई गयी अन्य त्रुटियों का निराकरण करने हेतु संबंधित संस्थान को निदेश दिया गया।

बुधुडीह स्थित जिला कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष सुमित शरण के नेतृत्व में कार्यशाला का आयोजन

आज बुधुडीह स्थित जिला कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष सुमित शरण जी के नेतृत्व में एक महत्पूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमे संगठन पर्व (संगठन चुनाव) के निमित्त नियुक्त पर्यवेक्षक भानु प्रताप शाही व डीआरओ बबन गुप्ता,किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह जी उपस्थित रहे !

जिला अध्यक्ष सुमित शरण ने कहा कि अभी झारखंड में सक्रिय सदस्यता अभियान चल रहा है, जिसके निमित्त जामताड़ा में भी सदस्यता अभियान चल रहा है और हमारे बहुत कार्यकर्ता अभी तक 50 की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बनकर सक्रिय सदस्यता का प्रमाण पत्र प्राप्त भी कर चुके हैं ज्ञात हो कि सदस्यता अभियान का आखिरी तारीख 31 जनवरी को था लेकिन प्रदेश द्वारा इसे कुछ

दिनों के लिए आगे तक निर्धारित कर दिया है इसीलिए जो भी कार्यकर्ता अभी तक सक्रिय सदस्य नहीं बन पाए हो वह अभी भी सदस्य बनाकर सक्रियता सक्रिय सदस्यता का सदस्य बन सकते है ! इस माह के अंतिम तक राष्ट्रीय स्तर से लेकर मंडल स्तर तक के अध्यक्ष बदले जाएंगे इसके निमित्त आज के इस बैठक में संयोजक तथा सहसंयोजक तथा शक्ति केंद्र के अध्यक्ष भी बनाए जाएंगे !

संगठन चुनाव के निमित्त नियुक्त पर्यवेक्षक भानु प्रताप शाही नें कहा कि आगामी कार्यक्रम भाजपा के संगठन पर्व संगठन चुनाव जामताड़ा जिले की जिम्मेदारी मुझे दी गई है ! इसी निमित्त आज के बैठक में आप लोगों के साथ मेरी बैठक हो रही है और आप लोगों के सहयोग से ही आपके जिले के पदाधिकारी का चुनाव होना है ! प्रदेश द्वारा इस जिले में दो सह प्रभारी भी बनाया गया ! जो पूरे जिले के मंडल में जाकर बैठक भी करेंगे !! प्रत्यक्ष शक्ति केंद्र में भी दो-दो कार्यकर्ता का टीम बनेगा ! बूथ में भी 12 सदस्य लोगों का टीम बनेगा ! आगामी 7 फरवरी तक आप लोगों को हर एक मंडल में इस निमित्त बैठक कर लेना है जिसके बाद हम सभी मंडलों के लिस्ट को राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचाने का काम करेंगे !इसके बाद इस माह के अंतिम तक नया कमेटी का गठन हो जाएगा !!

मंच संचालन जिला महामंत्री मितेश शाह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पूर्व जिला अध्यक्ष सुकुमणि हेंब्रम ने किया !

बैठक में मुख्य रूप से भाजयुमो प्रदेश महामंत्री मनीष दुबे,भाजपा नेता वीरेंद्र मंडल,विनोद मंडल, दुबराज मंडल,जिला महामंत्री दिलीप हेमब्रम, जिला उपाध्यक्ष सुकुमार सहित जिले के सभी मंडल अध्यक्ष तथा महामंत्री उपस्थित रहें।

हैट कमार्टांड़ गांव में हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई शोभा यात्रा

कमार्टांड़ः प्रखंड क्षेत्र के हैट कमार्टांड़ गांव में हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर किया गया शोभा यात्रा ,वहीं ततुलबंदा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मनोज मंडल मुख्य अतिथि के रूप में शोभा यात्रा मैं सम्मिलित हुए ,गाजे बाजे डीजे के साथ निकाला गया शोभा यात्रा ,हैट कमार्टांड़ गांव के जोरिया से कलश में जल भरकर प्राचीन हनुमान मंदिर शिव मंदिर काली मंदिर दखिण बार स्वामी पहाड़िया बाबा होते हुए नारायणपुर मेंन रोड हनुमान मंदिर तक शोभायात्रा पहुंचे, वहां पर सभी माताए बहनों के लिए शरबत की व्यवस्था की गई थी, फिर सभी शरबत पीने के बाद वापस हनुमान मंदिर मैं कलश रखकर सभी शोभयात्रा को विराम दिया गया, पंडितों द्वारा शुद्ध मंत्र उच्चारण किया गया,महाप्रसाद के रूप में खिचड़ी की व्यवस्था पूरे ग्रामीणों को खिलाया गया, वही मुख पुजारी जगन्नाथ मंडल ने बताते हुए कहा कि मंदिर बनाने का सपना बहुत दिनों से हमारे माता पिता का था कि यहां पर भव मंदिर बनाया जाए लेकिन आज प्रभु की कृपा से मंदिर बनाने में सक्षम हुए और बनाएं, मौके पर मनोज मंडल, उप मुखिया राजकुमार मंडल सचिन मंडल रामू मंडल विशाल मंडल भोला मंडल ओमप्रकाश मंडल मनोज मंडल छक्कू मंडल विजय मंडल राजेश मंडल सूरज मंडल पिंटू मंडल विकास मंडल दिवाकर मंडल विक्रम मंडल मिथुन मंडल राजू मंडल इत्यादि सैकड़ो ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

मालगोदाम रोड पर स्वचालित टिकट बिक्री मशीन लगाने की मांग ईजरप्पा ने किया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

मालगोदाम रोड पाकुड़ पर अवस्थित दोनों ऊपरी पैदल पुल के नीचे स्वचालित टिकट बिक्री मशीन (एटीवीएम) लगाने की मांग वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा राहुल रंजन से ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय ने किया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक को समर्पित अपने पत्र में श्री राय ने कहा है कि माल गोदाम रोड पाकुड़ पूर्वी भाग का एक प्रमुख रोड है।जहां पर सबवे और प्लेटफार्म नंबर एक व दो को जोड़ने वाली मालगोदाम पथ पर ऊपरी पैदलपुर अवस्थित है।पाकुड़ रेलवे गेट के बंद होने के उपरांत रेल यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने हेतु एकमात्र मार्ग है वह है ऊपरी पैदल पुल जहां से सैकड़ो की संख्या में प्रतिदिन रेल यात्री गाड़ी पकड़ने हेतु प्लेटफार्म नंबर 1 व 2 पर जाते हैं पर यात्रा और प्लेटफार्म टिकट नहीं रहने पर उन्हें अत्यंत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। टिकट नहीं रहने के कारण ने दंड का भागी होना पड़ता है परिणाम स्वरूप उन्हें जुमार्ना भी भरना पड़ता है।जिससे मानसिक और शारीरिक परेशानी होती है,क्योंकि उनके पास टिकट नहीं रहता है। इसलिए मालगोदाम रोड पर अवस्थित ऊपरी पैदल पुल के नीचे स्वचालित टिकट

श्री श्री रामराज मंदिर चिटाहीधाम में भव्य कलश यात्रा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

ओम प्रकाश शर्मा, धनबाद। श्री श्री रामराज मंदिर चिटाहीधाम में वार्षिक महोत्सव सह नौ दिवसीय महायज्ञ के अंतर्गत भव्य कलश सह शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। धनबाद सांसद ढुल्लू महतो, उनकी धर्मपत्नी सावित्री देवी एवं बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने दामोदर नदी से पवित्र जल भरकर श्री श्री रामराज मंदिर तक 15 किलोमीटर की पदयात्रा पूरी की।

देशभर के 18 राज्यों से आए रामभक्तों ने भव्य झांकियां, छऊ नृत्य, नागपुरी नृत्य, आदिवासी नृत्य और बैंड-बाजे के साथ जय श्री राम के जयघोष से माहौल भक्तिमय बना दिया। महायज्ञ स्थल पर विशाल महा भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि भक्तों की आस्था और प्रेम से

यह आयोजन ऐतिहासिक बन गया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और इसे धर्म और भक्ति का प्रतीक बताया। इस दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था।

मयूराक्षी विस्थापित प्रजाओं ने प्रशिक्षु आई ए एस पदाधिकारी से मिलकर जमीन की म्यूटेशन कराने का लगाई गुहार

रानीश्वर दुमका : प्रथम पंचम बर्षीय परियोजना के तहत 1957 में मसानजोड़ डैम के विस्थापितों को रानीश्वर प्रखंड के विभिन्न मौजा में जमीन की पुनर्वास कर बसाया गया हैं । सादीपुर गांव के मयूराक्षी विस्थापित प्रजा सुशील राजवाड़ा ,सीताराम राजवाड़ ,रामेश्वर राजवाड़ , कुमिरदहा मौजा के दिगंबर राजवाड़ ने मंगलवार प्रशिक्षु आई ए एस सह अंचल अधिकारी अभिनव प्रकाश से मिलकर एम आर ओ पट्टा के तहत पुनर्वास किया गया जमीन का ऑनलाइन प्रविष्ट कराने की गुहार लगाई हैं। मयूराक्षी विस्थापित इन प्रजाओं का जमीन का ऑनलाइन प्रविष्ट नहीं होने के कारण उन विस्थापित परिवार को केंद्र एवं राज्य सरकार के किसान कल्याण योजना की लाभ नहीं मिल रहा हैं ।न ही उन परिवार के बच्चों के नाम पर आय, जाति एवं निवासी प्रमाण पत्र निर्गत हो रहा हैं ।

कुछ अस्पताल मरीज को जीवित बताकर पैसा वसूल रहे हैं, ऐसे दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगीः स्वास्थ्य मंत्री

रांचीः विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर आज नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कैंसर से बचाव, इसके रोकथाम और उपचार के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि कैंसर जैसी घातक बीमारी को रोकने के लिए सरकार पूरी तरह संकल्पित है और इसके लिए कई अहम फैसले लिए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि झारखंड में कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक पान मसाले का सेवन है, इसलिए राज्य सरकार अब सादा पान मसाला पर भी प्रतिबंध लगाने जा रही है। उन्होंने

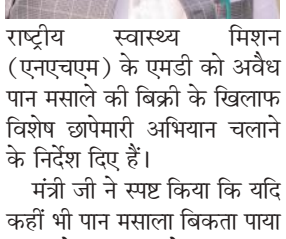

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के एमडी को अवैध पान मसाले की बिक्री के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री जी ने स्पष्ट किया कि यदि कहीं भी पान मसाला बिकता पाया गया, तो दुकानदार के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने रेडिएशन से होने वाले कैंसर पर भी चिंता व्यक्त की और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वासन दिया कि अगर किसी गांव में कोई मरीज कैंसर से पीड़ित है, तो सरकार उसकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा, ₹मैं झारखंड के हर नागरिक के सुख-दुख में उनके साथ खड़ा हूं।

मंत्री डॉ. अंसारी ने निजी अस्पतालों को सख्त हिदायत देते हुए कहा, ₹किसी भी मरीज की मृत्यु होने के बाद परिजनों से जबरन पैसा नहीं वसूला जाए। यह गंभीर विषय है, और यदि कोई अस्पताल ऐसा करता हुआ पाया गया तो उसे तुरंत सील कर दिया जाएगा। स्वास्थ्य सेवा को व्यावसायिक लाभ का साधन नहीं बनने दिया जाएगा, बल्कि इसे सेवा भावना से संचालित किया जाना चाहिए।

महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए मंत्री ने सईया बहनों को 42,000 टैबलेट देने की घोषणा की और कहा कि उनके हर कार्य में सरकार सहायता प्रदान करेगी। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं के लिए मुफ्त अल्ट्रासाउंड की सुविधा जल्द ही शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा। डॉ. अंसारी ने कहा कि झारखंड में जल्द ही अत्याधुनिक तकनीकों से लैस एक उत्कृष्ट कैंसर हॉस्पिटल स्थापित किया जाएगा।

सरस्वती पूजा शांतिपूर्वक तरीके से मनाने को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

फतेहपुरः फतेहपुर थाना क्षेत्र में सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को फतेहपुर पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद गुप्ता ने की। जबकि मौके पर एएसआई संतोष गोस्वामी सुप्रभात मुर्मू, मुकेश कुमार भोक्ता सहित थाना के पुलिस बल के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने थाना परिसर से गोविंदपुर साहिबगंज मुख्य सड़क होते हुए फतेहपुर मोड पहुंचा वही फतेहपुर बाजार से बस स्टैंड बजरंगबली मंदिर का भ्रमण किया।

सरस्वती पूजा पर बागानपाड़ा में दो दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन

फतेहपुरः सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर बागानपाड़ा मोड़ स्थित छाताडंगाल मैदान में दो दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। इस टूनार्मेंट का उद्घाटन भाजपा युवा नेता मनोज गोस्वामी और बानूडीह के मुखिया मनोहर हांसदा ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन मैच में बागानपाड़ा और भागुपाड़ा के बीच 8-8 ओवर का मैच हुआ, जिसमें भागुपाड़ा 3 विकेट से विजयी रहे।

इस आयोजन में आयोजक कमिटी के सदस्य शैलेन बावरी, इसताक हुसैन, बावन मंडल, अमित मंडल, सुमित मंडल, रंजन मंडल, हरि मंडल, शिबाधन मंडल, अनूप बाबरी, मिलन बावरी, चंदन मंडल, छुटकू मंडल, सुजय मंडल, और इमरान अंसारी उपस्थित थे। यह आयोजन सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर किया गया था, जो ज्ञान और शिक्षा की देवी मां सरस्वती की पूजा का अवसर है।

जामताड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

जामताड़ाः पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।जामताड़ा पुलिस अधीक्षक डॉ एहतेशम वाकरीब को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने करमाटोंड थानान्तर्गत ग्राम दुरदुलई (दुलदुलई) जंगल एवं टॉड़ में छापामारी की और साइबर अपराध कारित करते हुए 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अपराधियों के नाम हैं - सिद्दिक अंसारी, फयद अंसारी, विकास कुमार मंडल, प्रकाश कुमार मंडल, और सद्दाम हुसैन। इन अपराधियों के पास से 16 मोबाइल फोन, 19 मोबाइल सिम कार्ड, और 1 एटीएम कार्ड बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, ये अपराधी फेसबुक पर क्रेडिट कार्ड बनाने का ऐड डालते थे ।

करमाटांड़ के एहतेशामुल हक को मिला राष्ट्रीय प्रेरणा दूत अवॉर्ड 2025, समाज सेवा में योगदान के लिए सम्मानित

जामताड़ा समीम अंसारी

जामताड़ा जिले के करमाटांड़ प्रखंड के छोटे से गांव अंकुरि के निवासी, डाक विभाग में कार्यरत एहतेशामुल हक को ₹राष्ट्रीय प्रेरणा दूत अवॉर्ड 2025₹ से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें 1 से 3 फरवरी तक आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया, जिसमें उन्हें विशेष रूप से मूल सिल्वर मेडल से नवाजा गया। यह अवॉर्ड समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले व्यक्तियों के समर्पण, संघर्ष और अथक मेहनत को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। यह पुरस्कार पहली बार किसी ऐसे व्यक्ति को दिया गया है, जिसने न केवल अपनी सफलता की कहानी लिखी, बल्कि लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर समाज में बदलाव लाया। ₹फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया ₹ द्वारा प्रदान किया गया यह अवॉर्ड समाज के उन नायकों को पहचानने का एक प्रयास है, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। इस पुरस्कार के साथ दिए गए सिल्वर मेडल ने इस अवॉर्ड को और भी विशिष्ट बना दिया है, जो न केवल एक सम्मान है, बल्कि उन संघर्षों और प्रयासों की पहचान है, जिन्होंने न केवल अपना भविष्य संवारा, बल्कि दूसरों के लिए भी रास्ता खोला।एहतेशामुल हक करमाटांड़ प्रखंड के अंकुरि गांव के निवासी हैं और वे वर्तमान में संथाल परगना के गोड्डा जिले में डाक विभाग में कार्यरत हैं। वह हमेशा से समाज सेवा के प्रति

अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। कोरोना काल में उन्होंने दलित बस्तियों में शैक्षणिक जागरूकता अभियान चलाकर एक नई दिशा दिखाई और शिक्षा के प्रति लोगों की मानसिकता को बदलने में अहम भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, एहतेशामुल हक ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण, स्वच्छता के लिए जनजागरण अभियान, गर्मियों में पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था, और स्लम बस्तियों में बच्चों को शिक्षा देने के कार्यक्रमों में भी भाग लिया। उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लोगों को विधिक सहायता प्रदान की और समाज में विवादों को समझौते के द्वारा सुलझाने का कार्य भी किया। उनके प्रयासों से न केवल लोगों को लाभ मिला है, बल्कि उन्होंने समाज में जागरूकता भी फैलाई है।

जमशेदपुर महानगर में भाजपा के सभी इकाईयों का जल्द होगा पुनर्गठन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चुनाव पर्यवेक्षक सह पूर्व विधायक बिरंची नारायण एवं चुनाव अधिकारी मनोज सिंह ने जिला स्तरीय कार्यशाला को किया संबोधित

जमशेदपुर। जमशेदपुर महानगर में भाजपा के विभिन्न इकाइयों के पुनर्गठन का कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके निमित्त, मंगलवार को मानगो स्थित बड़ा हनुमान मंदिर में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। भाजपा जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में जिला चुनाव के पर्यवेक्षक एवं बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण मुख्य रूप से मौजूद रहे। वहीं, झारखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं जिला के चुनाव अधिकारी मनोज सिंह, सह चुनाव अधिकारी मिथिलेश सिंह यादव, पूर्व विधायक मेनका सरदार, जिला महामंत्री अनिल मोदी, संजीव सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य मौजूद रहे। बैठक में स्वागत संबोधन करते हुए जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने जमशेदपुर महानगर अंतर्गत चारों विधानसभा में सदस्यता अभियान एवं सक्रिय सदस्यता के प्रगति एवं अब तक के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों से सदस्यता अभियान को अति शीघ्र सम्पन्न करने का आह्वान किया।

इस दौरान जिला चुनाव पर्यवेक्षक सह पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि सभी कार्यकताओं के सहयोग और समन्वय से दायित्व निर्धारण का कार्य सम्पन्न किया जाएगा। कहा कि संगठन के सभी इकाइयों का पुनर्गठन किया जाएगा। जिसमे सबसे पहले बूथ, शक्ति केंद्र, मंडल एवं जिला में नियुक्त होगी। वहीं, प्रदेश महामंत्री सह जिला के चुनाव अधिकारी मनोज सिंह ने बताया कि मंडलों में पुनर्गठन हेतु 9 फरवरी तक कार्यशाला सम्पन्न होगा। उन्होंने सदस्यता अभियान को शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया।बैठक में मंच संचालन जिला महामंत्री अनिल मोदी एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री संजीव सिंह ने किया।

इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष के साथ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा जिला पदाधिकारी, सांसद प्रतिनिधि, मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चा के जिलाध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य, स्थानीय निकाय के अध्यक्ष उपाध्यक्ष, सभी मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री, मंडल प्रभारी, मंडल सक्रिय सदस्यता सहयोगी, मंडल संगठन पर्व के सहयोगी समेत अन्य मौजूद रहे।

सरस्वती पूजा शांतिपूर्वक तरीके से मनाने को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

राष्ट्र संवाद संवाददाता

फतेहपुर फतेहपुर थाना क्षेत्र में सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को फतेहपुर पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद गुप्ता ने की। जबकि मौके पर एएसआई संतोष गोस्वामी सुप्रभात मुर्मू, मुकेश कुमार भोक्ता सहित थाना के पुलिस बल के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने थाना परिसर से गोविंदपुर साहिबगंज मुख्य सड़क होते हुए फतेहपुर मोड पहुंचा वही फतेहपुर बाजार से बस स्टैंड बजरंगबली मंदिर का भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस

अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाये। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति या अव्यवस्था फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। पुलिस अधिकारियों ने साफ तौर पर निर्देश दिया कि सरस्वती पूजा के दौरान अश्लील गाने नहीं बजाए जाएंगे और डीजे पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। मौके पर थाना प्रभारी ने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य स्थानीय लोगों को सुरक्षा का अहसास कराना और असामाजिक तत्वों को सचेत करना था कि प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। आगे कहा कि पूजा व विसर्जन के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल पूरी तरह तैयार है। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालु बिना किसी भय के सरस्वती पूजा मना सकें। आगे कहा कि विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना के अवसर पर क्षेत्र में गश्ती तेज कर दी गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रहेगी। साथ ही उन्होंने पर्व के दौरान थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की लोगों से अपील किया है।

झारखंड का पहला पक्षी महोत्सव (बर्ड फेस्टिवल) सम्पन्न, दलमा अभयारण्य में पक्षियों की अद्भुत प्रजातियों का अवलोकन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

झारखंड में पहली बार आयोजित किया गया पक्षी महोत्सव (बर्ड फेस्टिवल) इस वर्ष दलमा वन्यजीव अभयारण्य में सफलता से सम्पन्न हुआ। महोत्सव के तीसरे और समापन दिन पर, दलमा टॉप पिंडरबेड़ा के पास विशेषज्ञों की टोली ने बर्डिंग की। इस दौरान पक्षी प्रेमियों ने कैमरे में विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की शानदार तस्वीरें कैद की।

विशेषज्ञों की 10-10 सदस्यीय चार टोली बनाई गई, जिन्होंने दलमा के अभयारण्य में पक्षियों का अवलोकन किया और उनकी फोटोग्राफी की। इसके बाद मकूलाकोचा में पावर प्रजेंटेशन का आयोजन किया गया, जिसमें पक्षियों की विभिन्न विशेषताओं पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के

जरिए यह भी बताया गया कि कैसे दलमा में पक्षियों के संरक्षण के उपाय स्थानीय समुदाय को समझाए जाएंगे, ताकि दलमा में पक्षियों का बसेरा लगातार बढ़े।

कार्यक्रम के आयोजकों का मानना है कि यह बर्ड फेस्टिवल स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों को पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूक करेगा। इसके साथ ही, शोधार्थियों को भी इस क्षेत्र में अध्ययन और शोध के अवसर मिलेंगे। बर्ड फेस्टिवल को हर साल आयोजित करने की योजना है, ताकि दलमा का वन्यजीव विविधता और पक्षियों के संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सके।

इसके अतिरिक्त, टैगा फ्लाईकैचर, ग्रीनिश बार्बलर और चिफचैफ जैसे पक्षी नियमित रूप से दलमा में आते हैं, जो इस क्षेत्र की जैव विविधता को और भी समृद्ध बनाते हैं

एमटीएमएच ने 50 वर्षों की करुणामयी कैंसर चिकित्सा सेवा का जश्न मनाया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुरः मेहरबाई टाटा मेमोरियल अस्पताल आज अपनी 50 वर्षों की समर्पित सेवा का जश्न मना रहा है। इस खास अवसर पर, कुडी महंती ऑडिटोरियम में कैंसर रोगियों के प्रति इसके अथक प्रयासों और योगदान के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया।

डॉ. आर.एन. शर्मा, चेयरमैन, एमटीएमएच मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए, जबकि श्री चाणक्य चौधरी, वाइस चेयरमैन, एमटीएमएच ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर श्री राकेश्वर पांडे, प्रेसिडेंट, एमटीएमएच एम्पलाई यूनियन सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे, जिनमें टाटा स्टील के वरिष्ठ प्रबंधन, एमटीएमएच और टीएसडब्ल्यूयू के सदस्य, सम्मानित नागरिक, डॉक्टर, कैंसर से उबरने वाले लोग और एमटीएमएच स्टाफ शामिल थे।

चेयरमैन ने गोल्डन जुबली उत्सव का उद्घाटन किया और अस्पताल के भविष्य के प्रति अपना विजन साझा किया। श्री चाणक्य चौधरी ने इस उपलब्धिपूर्ण वर्ष के लिए निर्धारित साल भर की गतिविधियों का अनावरण किया, जिसमें प्रमुख रूप से एचपीवी टीकाकरण अभियान (जिसमें आज सुबह डीबीएमएस स्कूल में लड़कियों का पहला समूह टीकाकृत किया गया), ग्रामीण इलाकों में स्क्रीनिंग कैंप, एक विशेष ऑन्कोलॉजी कांफ्रेंस, और सबसे अहम, मार्च 2025 में जुबली ओटी ब्लॉक का उद्घाटन शामिल हैं। इस अवसर पर श्री राकेश्वर पांडे ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

डॉ. कोशी वर्गीज, डायरेक्टर, एमटीएमएच ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. सुजाता मित्रा,

चेयरमैन की सलाहकार ने वर्ष भर के लिए निर्धारित गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की और श्री निशिथ सिन्हा, मानद सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। डॉ. वनीता पांडे ने समारोह का संचालन किया।

एमटीएमएच की स्थापना जमशेदपुर कैंसर सोसाइटी (पूर्व में भारतीय कैंसर सोसाइटी, जमशेदपुर शाखा) द्वारा 1975 में इस क्षेत्र के कैंसर रोगियों के लिए की गई थी। इसे भारत की पहली नारीवादी की प्रतीक लेडी मेहरबाई टाटा के नाम पर रखा गया, जो सर दोराबजी जमशेदजी टाटा की पत्नी थीं। 4 फरवरी 1975 को, श्री जे आर डी टाटा, तत्कालीन चेयरमैन, टाटा संस द्वारा अस्पताल का उद्घाटन किया गया। इस अस्पताल का निर्माण 10 लाख रुपये की राशि से हुआ था, जिसमें सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट से 3 लाख रुपये की अनुदान राशि और कई संस्थाओं और व्यक्तियों द्वारा दी गई राशि शामिल थी। इस अस्पताल की डिजाइन श्री आर. एन. मास्टर, चीफ आर्किटेक्ट और टाउन प्लानर द्वारा की गई थी।

2018 में, टाटा ट्रस्ट्स के भारत में कैंसर चिकित्सा में क्रांति लाने के दृष्टिकोण के तहत, ट्रस्ट्स ने टाटा स्टील के साथ साझेदारी कर एमटीएमएच को एक समग्र कैंसर केयर सेंटर में बदलने की दिशा में काम किया। इस परियोजना के लिए शिलान्यास 2 मार्च 2018 को श्री रतन टाटा द्वारा किया गया। सिर्फ एक वर्ष के भीतर, 13 मार्च 2019 को श्री रतन टाटा ने अपग्रेडेड एमटीएमएच का उद्घाटन किया और इसे झारखंड के मरीजों को समर्पित किया।

वर्तमान में, एमटीएमएच एक एनएबीएच (एंट्री लेवल) मान्यता प्राप्त अस्पताल है, जिसमें 130 बिस्तरों की क्षमता है, एक समर्पित डे केयर सेंटर, नवीनतम रेडिएशन उपकरण, और राज्य-स्तरीय डायग्नोस्टिक्स शामिल हैं, जिनमें एक एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला और पीईटी सीटी भी है। प्रीतपाल पॅलियटिव केयर सेंटर (जो सूरी सेवा फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित है) इस क्षेत्र में अपनी तरह का एकमात्र सेंटर है। अनुभवी कंसल्टेंट्स और नर्सिंग स्टाफ मिलकर मरीजों को कैंसर के उपचार के नवीनतम तरीके उपलब्ध कराने में समर्पित हैं।

अस्पताल आयुष्मान भारत योजना और झारखंड मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत भी पैनल में है, जिसके कारण यह बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे रहनेवाले) मरीजों को भी इलाज प्रदान करने में सक्षम है।

श्री रतन टाटा का कैंसर चिकित्सा के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट था जब उन्होंने देशभर में कैंसर सुविधाओं की स्थापना की मंजूरी दी थीः ₹किसी भी कैंसर मरीज को इलाज के लिए अपने राज्य से बाहर यात्रा करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।₹ यही एमटीएमएच का उद्देश्य है-झारखंड और इसके आसपास के क्षेत्र में किफायती और गुणवत्तापूर्ण कैंसर देखभाल को सभी के लिए सुलभ बनाना।

आनंद मार्ग ने पूर्णिमा नेत्रालय में 40 फेको सर्जरी एवं 5 एस.आई.सी.एस सर्जरी कर निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण कराया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल एवं पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से दृष्टि सेवा महा अभियान के तहत 40 फेको सर्जरी एवं 5 एस.आई.सी.एस सर्जरी कर निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण किया गया।आनंद मार्ग ने आयुष्मान एवं(डी.बी.सी.एस)राष्ट्रीय अंधत्व निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम से लगभग 45 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित हुए। जो रोगी मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित हुए उनका मोतियाबिंद मेच्योर्ड हो चुका है,रोगियो का पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से मोतियाबिंद

ऑपरेशन कर निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण किया जाएगा।

पोटका ब्लॉक के चलीयामा, गदरा एवं सोनारी से पिछले कैंप से चयनित 45रोगियों का ऑपरेशन कर निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण कर रोगियों को दवा एवं चश्मा देकर घर पहुंचा दिया गया।

आनंद मार्ग के कैंप ऑगेर्नाइजर सुनील आनंद ने बताया कि फेको सर्जरी या फेकोइमल्सीफिकेशन एक प्रकार का मोतियाबिंद का इलाज है जो लेंस के धुंधले हिस्से यानी मोतियाबिंद को हटाने के लिए किया जाता है। फेको तकनीक से मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाता है।

एस.आई.सी.एस. एक टांका रहित सर्जरी है और इसमें टांके लगाने की जरूरत नहीं पड़ती है और चीरा खुद से ही ठीक हो जाता है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार से कैंसर के जागरूकता को फैलाने की बात कही

राष्ट्र संवाद संवाददाता

कैंसर दिवस के दिन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा एक प्रेस वार्ता की गई। जिसमें आम जनता को जागरूक करने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार से बृहद रूप में कैंसर के जागरूकता को फैलाने की बात कही। डॉक्टर ने कहा कि पैक्ड फूड जो की आम जनता में आजकल बाहर होटल में खाना खाने की आदत चलन में है। घर से बाहर जाकर खाना खा लिया जाए ।लेकिन आम जनता को यह जानकारी नहीं होती की पैक्ड फूड खाने से कई प्रकार के कैंसर के फैलने का खतरा रहता है। हमारे सेहत के लिए फास्ट फूड जंक फूड और जो पैकेट फुट होते हैं। वह हमारे शरीर में कैंसर को बढ़ावा देते हैं। खासतौर पर आजकल बूढ़े, बुजुर्गों महिलाओं और बच्चों को जो कि बाहर खाने की आदत रखते हैं। उन्हें कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए कैंसर से रोकथाम हेतु आजकल अस्पताल में विभिन्न प्रकार के वैक्सीन उपलब्ध हैं। जिन्हें बच्चों महिलाओं और बच्चियों को विशेष प्रकार के वैक्सीन अस्पताल और बाजारों में उपलब्ध हैं। हमें वैक्सीन लगाकर भी कैंसिल से हम सुरक्षा रख सकते हैं। आज के प्रेस वार्ता में कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ कुंडू ने बताया कि भारत के हर प्रांत में हर बड़े शहर में राजधानियों में अलग-अलग अस्पताल में कैंसर के विभिन्न प्रकार के वैक्सीन उपलब्ध हैं। आम जनता से अनुरोध है कि वैक्सीन लगाकर भी अपनी सुरक्षा को पूरा कर सकती है। अतः हमारे देश में कैंसर के अलग-अलग प्रकारों के विषय में पूर्णता जागरूकता ना होने के कारण कैंसर आज बेहद रूप लेता जा रहा है।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन डॉक्टर साहिल पाल के अध्यक्षता में कैंसर रोक थाम पर चर्चाएं

राष्ट्र संवाद संवाददाता

4 फरवरी 2025 को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन डॉक्टर साहिल पाल के अध्यक्षता में उनके सभागार कक्ष में कैंसर संबंधित चर्चाएं किए गए उपस्थित सभी स्वास्थ्य कर्मियों को एवं पंचायत स्तर पर कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी को ज्यादा से ज्यादा सभी प्रकार के कैंसर के बारे में जागरूकता करने के लिए कहें। वहीं जिला नोडल पदाधिकारी डॉक्टर मृत्युंजय धाउडिया, विश्व कैंसर दिवस (हङ्क१ह्लिउंल्ली१ ऊं८) हर साल 4 फरवरी को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार के बारे में जानकारी देना और कैंसर से जूझ रहे लोगों का समर्थन करना है।

विश्व कैंसर दिवस का महत्व

जागरूकता बढ़ाना झ्र कैंसर के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों की जानकारी देना।

समाज को प्रेरित करना झ्र कैंसर मरीजों और उनके परिवारों को सहयोग देना।

रोकथाम को बढ़ावा देना झ्र स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित करना।

कैंसर से बचाव के उपाय

तंबाकू और शराब का सेवन न करें।स्वस्थ आहार लें और शारीरिक रूप से सक्रिय रहें।

नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं।

सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करें।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के 53 व स्थापना दिवस के अवसर पर साकची कैंप कार्यालय में कटा केक

राष्ट्र संवाद संवाददाता

झारखंड मुक्ति मोर्चा के 53 व स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर आज साकची स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला संपर्क कार्यालय में केक कटिंग कर मनाया गया ।इस शम अवसर पर जिला बीस सूत्री के उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार,15 सूत्री के सदस्य शेख बदरुद्दीन,क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के सदस्य प्रमोद लाल, पूर्व सांसद सुमन महतो,महावीर मुर्मू, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला पूर्वी सिंहभूम के उपाध्यक्ष सागेन पूर्ति, अरुण प्रसाद,फैयाज खान, कमलजीत कौर गिल ,नानटू सरकार, अवतार सिंह संधू, इंद्रजीत घोष महिला नेत्री झरना पाल, सविता सिंह ,सविता दास, दुर्गा बोईपाई, पप्पू उपाध्याय अंकित सिंह मनोज कुमार जितेंद्र यादव रानू मंडल चंदन महतो प्रकाश चंद्र झा पिंटू लाल निशांत लाल मिंटू धर चौधरी रवि मुंडा और काफी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे

सार-संक्षेप

अज्ञात अपराधियों ने एक व्यक्ति की बेहरहमी से किया गला रेत कर हत्या

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गोविंदपुर कोचा टोला निवासी 25 वर्षीय जयप्रकाश धर रात के वक्त अपने घर से निकला और फिर लौट कर नहीं आया, सुबह घर वालों ने युवक को काफी खोजने का प्रयास किया पर युवक का कहीं पता नहीं चल पाया आसपास के लोगों से गोविंदपुर थीम पार्क में किसी युवक की हत्या की जानकारी परिजनों को मिली जहां परिजन थीम पार्क पहुंचे तो उन्होंने पाया कि 25 वर्षीय जयप्रकाश को अज्ञात अपराधियों ने तेजधार हथियार से सर में वार साथ ही गला रेत कर हत्या कर दी है, स्थानीय लोगों की जानकारी पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया युवक के हाथ में एक टॉर्च और एक ताला भी था जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया है परिजनों ने बताया कि युवक का किसी से किसी तरह का कोई बैर नहीं था कल युवक घर से निकाला और फिर लौटकर नहीं आया

हालांकि गोविंदपुर पुलिस शव को कब्जे में लेकर हर बिंदुओं पर जांच पड़ताल में जुट गई है जांच की बात कह कर पुलिस ने इस मामले में कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने जमशेदपुर को-ऑपरेटिव विधि महाविद्यालय को संबद्धता प्रदान की :राजेश शुक्ल

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव विधि महाविद्यालय को बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने 2024-25 के लिए एल एल बी के लिए संबद्धता प्रदान कर दिया है ह्ल झारखंड स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष और राज्य के सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राजेश कुमार शुक्ल ने संबद्धता दिलाने में निर्णायक भूमिका अदा की, तब इस विधि महाविद्यालय को संबद्धता मिल पाई है

श्री शुक्ल का इस महाविद्यालय के उन्नयन और संबद्धता मे बराबर सराहनीय भूमिका रही है और इस महाविद्यालय में आधारभूत संरचना बढ़ाने में भी श्री शुक्ल का शानदार और निर्णायक भूमिका रही है

श्री शुक्ल ने इसके लिए बार काउंसिल. ऑफ इंडिया का आभार जताया है और महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ जितेंद्र कुमार, सभी शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और छात्रों को बधाई दिया है और आशा व्यक्त किया है कि कोल्हान विश्वविद्यालय तेजी से बार काउंसिल ऑफ इंडिया के शर्तों पर आगे मजबूती से खरा उतरेंगी

संबद्धता मिलने पर झारखंड स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष और सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राजेश कुमार शुक्ल तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जितेंद्र कुमार ने खुशी व्यक्त किया है

श्री शुक्ल जो इस महाविद्यालय के हाई पावर कमिटी के चेयरमैन भी है ने कहा है कि इस महाविद्यालय में और भी आधारभूत संरचना बढ़ाने की दिशा मे काम किया जायेगा ह्ल

हर साल किताबें बदलने की व्यवस्था पर रोक लगाए शिक्षा विभाग

राष्ट्र संवाद संवाददाता

कौमी सिख मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व छात्र नेता कुलविंदर सिंह ने झारखंड के शिक्षा विभाग से आग्रह किया है कि निजी विद्यालयों में हर साल किताबें बदलने की व्यवस्था पर रोक लगाए। वही उन विद्यालयों के प्रबंधकों को पुरस्कृत किया जाए, जो कई साल तक पुस्तक नहीं बदलते हैं और पुरानी लेने को अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हैं।

कुलविंदर सिंह ने इस आशय का ट्वीट एक्स पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को किया है।

कुलविंदर सिंह के अनुसार शहर के कई विद्यालयों में ऐसा देखने को मिलता है कि वह हर साल पुस्तक बदल देते हैं और नए प्रकाशक का चयन करते हैं। विद्यालय में यदि पुस्तक मिल जाती है तो अभिभावक राहत की सांस लेते हैं अन्यथा बाजारों में वह पुस्तक उपलब्ध ही नहीं होती है।

कुलविंदर सिंह के अनुसार हर साल पुस्तक बदलने की परंपरा यह दिखाती है कि विद्यालय का उद्देश्य पैसे बनाना है। विद्यालय प्रबंधन को चाहिए कि वह किताबें बदलने की बजाय अपने शिक्षकों को प्रत्येक वर्ष रिफ्रेशर कोर्स करते रहे और बच्चों को अद्यतन जानकारी देते रहें और इसके लिए उन्हें पुस्तक से बाहर निकालने की भी जरूरत है।

निजी विद्यालय में स्मार्ट क्लास है और वहां हर साल किताबें बदलने की व्यवस्था ठीक नहीं है।

डॉ एस के कुंडू को किया गया सम्मानित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

आईएचएमओ पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष सह कैंप कोऑर्डिनेटर एसआरके कमलेश ने बाराद्वारी स्थित अपेक्स हॉस्पिटल में विश्व कैंसर दिवस पर शहर के जाने-माने कैंसर रोग विशेषज्ञ (गोल्ड मेडलिस्ट) डॉ एस के कुंडू को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुछ देकर सम्मानित किया और निस्वार्थ भाव से सेवा के लिए उनकी सराहना की। मौके पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सचिव दिनेश कुमार सिंह उपस्थित थे।

गुलमोहर स्कूल की प्रिंसिपल को श्री श्री शिक्षक सम्मान मिलने उपरांत विजया गार्डेन मे किया अभिनंदन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

विजया गार्डेन बारीडीह आनर्स एसोसिएशन के द्वारा राष्ट्रीय श्री श्री शिक्षक सम्मान 2025 से सम्मानित गुलमोहर स्कूल की प्रिंसिपल विजया गार्डेन मे रहने बाली प्रीति सिन्हा को वहाँ की अध्यक्ष डाक्टर कोना नन्दी एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीयो ने इस उपलब्धि के लिए स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। विगत 21जनवरी 2025 को बेंगलूरु मे यह सर्वश्रेष्ठ सम्मान शिक्षक सम्मान पुरस्कार श्री श्री रविशंकर ने प्रदान किया, इस सम्मान के रूप मे उन्हे शिलड, प्रशस्ति पत्र एवं 51हजार रुपये की नगद राशि के साथ दिया गया, जो शिक्षा के मार्ग मे उनके अभिनव योगदान एवं नेतृत्व को मान्यता देता है।इस अभिनंदन एवं स्वागत समारोह के दौरान प्रिंसिपल प्रीति सिन्हा ने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है यह सम्मान मुझे अपनो के बीच अपनो के द्वारा किया जा रहा है इसका महत्व और अधिक बढ जाता है।मै आपलोगो को हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, आपका स्नेह मुझे आगे शिक्षा के मार्ग मे कार्य करने के लिए प्रेरणा प्रदान करेंगी। इस अवसर पर डॉक्टर विभूति भूषण ने श्रीमती सिन्हा के श्री श्री राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान पुरस्कार पर विस्तार से प्रकाश डाला कार्यक्रम का संचालन प्रमोद मिश्रा ने किया

संपादक की कलम से

राहुल गांधी के जवाब में झलका एक स्पष्ट दृष्टिकोण

देवानंद सिंह

भारत की राजनीति में कभी-कभी ऐसे क्षण आते हैं, जब विपक्षी नेताओं के भाषण न केवल वर्तमान राजनीति की स्थिति पर टिप्पणी करते हैं, बल्कि देश के भविष्य के लिए एक स्पष्ट दिशा भी निर्धारित करते हैं। सोमवार को राहुल गांधी का राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दिया गया जवाब उसी श्रेणी में आता है। उनका भाषण महज राजनीतिक विरोध का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और शिक्षा जैसे मौलिक मुद्दों पर एक गंभीर विमर्श का आह्वान भी था। राहुल गांधी ने अपने भाषण में केवल वर्तमान सरकार की नीतियों पर सवाल नहीं उठाए, बल्कि देश की दीर्घकालिक प्रगति के लिए आवश्यक बदलावों की ओर भी इशारा किया।

राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरूआत राष्ट्रपति के अभिभाषण की आलोचना से की, जिसमें उन्होंने कहा कि हम सालों से वही पुराने भाषण सुनते आ रहे हैं, जिनमें समस्याओं का वही विश्लेषण और समाधान होता है, लेकिन वास्तविक बदलाव नहीं आता। यह टिप्पणी भारतीय राजनीति की स्थिरता और नीतिगत अपारदर्शिता को उजागर करती है। उनका यह आरोप सीधे तौर पर यह सवाल उठाता है कि क्या हम अपनी समस्याओं को वास्तविक रूप से समझने और उनका समाधान करने में सक्षम हैं या फिर हम महज दिखावे और भाषणों में उलझे हुए हैं।

राहुल गांधी ने न केवल वर्तमान सरकार के साथ ही कांग्रेस के नेतृत्व में 10 साल तक चली यूपीए सरकार को भी रोजगार के मोर्चे पर प्रभावी कदम नहीं उठा सकने को लेकर घेरा। उनका यह बयान सरकारों के बीच निरंतरता और असफलताओं की ओर इशारा करता है। उनका कहना था कि बेरोजगारी की समस्या न केवल आज की एनडीए सरकार के कार्यकाल की, बल्कि कांग्रेस के कार्यकाल की भी थी। विशेष रूप से उन्होंने पीएम मोदी द्वारा पेश की गई ह्यमेक इन इंडियाह्ल योजना को सराहना तो की, लेकिन इसकी सफलता को लेकर जिस तरह सवाल उठाए, उसने केंद्र की मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करने की जरूर कोशिश की। बकायदा, उन्होंने आंकड़ों के माध्यम से यह साबित करने की कोशिश की कि इस योजना ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए। 2014 में जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 12 प्रतिशत रह गई है। यह आंकड़ा स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर समस्या है।

राहुल गांधी का यह भाषण आर्थिक दृष्टिकोण से भी काफी महत्वपूर्ण था, जिसमें उन्होंने ह्यप्रोडक्शनह्ल और ह्यमैन्युफैक्चरिंगह्ल की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका मानना था कि अगर, हमें देश की आर्थिक प्रगति को सुनिश्चित करना है, तो हमें मैन्युफैक्चरिंग और उत्पादन के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि कैसे 1990 के बाद से दुनिया भर के देशों ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को मजबूत किया, जिससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए। भारत में वर्तमान स्थिति यह है कि हम ज्यादातर चीजों को असेंबल करते हैं, लेकिन प्रोडक्शन की दिशा में बड़ी प्रगति नहीं हुई। राहुल गांधी का यह बयान एक महत्वपूर्ण संकेत था कि भारत को उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि न केवल अर्थव्यवस्था मजबूत हो, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न हों।

राहुल गांधी ने यह भी रेखांकित किया कि भविष्य में टेक्नोलॉजी और शिक्षा का बहुत महत्व होगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि कैसे यूपीए सरकार के दौरान कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर में निवेश किया गया, जिससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए। यह उनके दृष्टिकोण को दिखाता है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था केवल मैन्युफैक्चरिंग पर निर्भर नहीं होगी, बल्कि तकनीकी कौशल और नवाचार पर भी आधारित होगी। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध में ड्रोन के उपयोग का हवाला देते हुए यह कहा कि भविष्य में इलेक्ट्रिक प्रोडक्ट्स, बैटरियां और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर ध्यान देना होगा। उनका यह बयान हमारे शिक्षा और कौशल विकास सिस्टम में बदलाव की आवश्यकता को उजागर करता है। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि वह इस मामले में हमसे कम से कम दस साल आगे है, और अगर हम बच्चों को अब से ही इन तकनीकी क्षेत्रों की शिक्षा देना शुरू कर दें, तो आने वाले वर्षों में भारत अपनी प्रोडक्शन क्षमता को बेहतर कर सकता है।

राहुल गांधी का यह दृष्टिकोण न केवल भविष्य की दिशा को दशार्ता है, बल्कि यह भी साफ करता है कि अगर हम प्रोडक्शन और तकनीकी शिक्षा पर ध्यान देंगे, तो इससे ना सिर्फ आर्थिक प्रगति होगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है, क्योंकि केवल भाषण और योजनाओं से काम नहीं चलेगा। अगर, हमें अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, तो हमें ठोस नीतियों और दूरदृष्टि से काम करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने यह भी बताया कि कांग्रेस का दृष्टिकोण रोजगार, मैन्युफैक्चरिंग, प्रोडक्शन और शिक्षा के विकास की दिशा में स्पष्ट और कारगर होगा। उनका यह भाषण कांग्रेस के लिए एक स्पष्ट संकेत था कि वह भविष्य में भारतीय युवाओं, रोजगार और शिक्षा के मुद्दों को गंभीरता से उठाएगी। यह कांग्रेस के राजनीतिक भविष्य के लिए भी एक कदम था, जिससे वह जनता के बीच एक मजबूत विपक्ष के रूप में स्थापित होना चाहते हैं।

आखिरकार, राहुल गांधी का यह भाषण यह स्पष्ट करता है कि भारत की भविष्यवाणी केवल भाषणों और योजनाओं से नहीं हो सकती। हमें वास्तविक बदलाव के लिए ठोस नीतियों, शिक्षा, तकनीकी कौशल और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

यह भाषण न केवल एक विपक्षी नेता के रूप में राहुल गांधी का दृष्टिकोण स्पष्ट करता है, बल्कि यह एक मार्गदर्शन भी कहा जा सकता है कि भारत को अपनी दिशा बदलने के लिए क्या कदम उठाने चाहिए। यह भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है और हमें इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

पुस्तक-महाकुंभ से एक नये दौर का सूत्रपात

ललित गर्ग

देश में दो महाकुंभ चल रहे हैं, एएक प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा-उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है। इस वर्ष के पुस्तक मेले की मुख्य थीम ह्यरिपब्लिक @ 75ह्ल है, जो भारतीय संविधान के 75 वर्षों के जश्न पर एक मजबूत भारत की परिकल्पना, राष्ट्र-निर्माण में प्रगति, और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर केन्द्रित है। पुस्तक मेले का एक मुख्य आकर्षण बच्चों का मंडप है, जिसका उद्देश्य बच्चों के साहित्य को बढ़ावा देना और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करना है। पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं है; यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है। मेले में आयोजित नाट्य, संगीत, लोक कला और परंपरागत प्रस्तुतियाँ इसे एक समग्र अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के संवाद का अवसर प्रदान कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न देशों के साहित्यिक प्रतिनिधिमंडल की सहभागिता हो रही है, जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं और साहित्यिक दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं। आज डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के दौर में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह टंग रहे हो, लेकिन ऐसे अनूठे एवं विलक्षण पुस्तक मेले पुस्तकों की उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं महत्व को नये पंख भी दे रहे हैं।

पुस्तक मेलों की परंपरा भारत और विश्व में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। प्राचीन भारत में भी पांडुलिपियों के आदान-प्रदान और साहित्यिक संवाद की परंपरा थी। आधुनिक युग में, पुस्तक मेले का आयोजन पहली बार यूरोप में 15वीं शताब्दी में हुआ। गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण तकनीक के आविष्कार के बाद पुस्तकों का वितरण तेजी से बढ़ा और इसने पुस्तक मेलों के आयोजन को प्रेरित किया। भारत में पुस्तक मेलों की आधुनिक परंपरा 1970 के दशक में प्रारंभ हुई, जब नेशनल बुक ट्रस्ट ने दिल्ली में पहले विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया। ये मेले न केवल साहित्यिक संवाद का माध्यम बने हैं, बल्कि विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच बनकर शब्द, विचार तथा भावनाओं को जीवंत किया हैं। ये केवल पुस्तकों की खरीद-बिक्री का स्थान नहीं, बल्कि भाषाई और साहित्यिक विविधता को प्रोत्साहित करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुस्तक मेले न केवल साहित्यिक चेतना को सजीव करते हैं, बल्कि गहरी सांस्कृतिक चेतना का पोषण भी करते हैं।

विश्व पुस्तक मेला न केवल पुस्तकों का उत्सव है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर, साहित्यिक समृद्धि और विविधता का उत्सव मनाने के साथ पुस्तक-संस्कृति को सजीव बनाने का अवसर भी है। इंसान की जिंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे

बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-कायदे से गुजरना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह जिंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। किताबों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। समाज में पुस्तकें पुनः अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित हो, इसके लिये ऐसे मेले मील का पत्थर है।

पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं! वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर जरिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। दो और दो चार होते हैं, यह चिर सत्य है पर साहित्य नहीं है क्योंकि जो मनोवेग तरंगित नहीं करता, परिवर्तन एवं कुछ कर गुजरने की शक्ति नहीं देता, वह साहित्य नहीं हो सकता अतः अभिव्यक्ति जहां आनन्द एवं जीवन ऊर्जा का स्रोत बन जाए, वहीं वह साहित्य है। पुस्तकें पढ़ना विचार सुनने या भाषणों से बेहतर हैं।

रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में ह्यबुके नहीं बुकह्ल यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा है, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम है। देश में स्वामी विवेकानंद की धारा से पुनर्जागरण का एक दौर शुरू हुआ था जिससे हमें आजादी मिली थी, आचार्य श्री तुलसी के नैतिक क्रांति के शंखनाद-अणुव्रत आन्दोलन से नैतिक, वैचारिक एवं चारित्रिक बल मिला और अब मोदी के नेतृत्व में पुनर्जागरण का एक नया दौर शुरू हुआ है जो देश को एक नये सांचे में गढ़ने वाला साबित हो रहा है, इससे नया भारत निर्मित हो रहा है एवं पढ़ने की कम होती रूचि पर विराम लग रहा है। पुस्तक मेलों से पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ हो रहा है।

नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। भले ही आज के इंटरनैट फ्रैंडली वर्ल्ड में सीखने के लिए सब कुछ इंटरनैट पर मौजूद है लेकिन इन सब के बावजूद जीवन में पुस्तकों का महत्व आज भी बरकरार है। उन्नत एवं सफल जीवन के लिये पुस्तकों के पठन-पाठन की संस्कृति को जीवंत करना वर्तमान समय की बड़ी जरूरत है। क्योंकि पुस्तकों में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ समाज की संरचना करती है। पुस्तकें मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ व बुद्धिमान हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान। पुस्तकें समाज एवं राष्ट्र रूपी शरीर की मस्तिष्क होती है, जिनसे हमारी रूचि जागे, आध्यात्मिक एवं मानसिक तृप्ति मिले, हममें शक्ति एवं गति पैदा हो, हमारा सौन्दर्यप्रेम एवं स्वाधीनता का भाव जागृत हो, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश उपलब्ध हो, जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाइयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता उत्पन्न करें। दिल्ली विधानसभा चुनावों की राजनीतिक सरगर्मियों के बीच यह पुस्तक मेला नये भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत का इंजन है। आज भी सबसे बड़ी लड़ाई विचारों की है और विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही वास्तविक हथियार हैं।

रोबोट हमारे परिवार का हिस्सा बन सकते हैं?

डॉ. आर. बी. चौधरी

विज्ञान की निरंतर प्रगति और अकल्पनीय अनुसंधान से समूचा विश्व तेजी से बदल रहा है। आबादी की चुनौतियों के बीच घटती प्रजनन दर और घटती जन्म दर जैसी समस्याएं आधुनिक विज्ञान से टक्कर लेने के लिए तैयार हैं। ऐसी हालत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को एक संभावित समाधान के रूप में देखा जा रहा है। अब सवाल खड़ा होने लगा है कि क्या रोबोट सचमुच हमारे परिवार का हिस्सा बन सकता है? स्वीडन के उमेओ विश्वविद्यालय के शोधकर्ता एआई और किन्शिप नामक परियोजना के माध्यम से इस प्रश्न का समाधान ढूंढ़ने में लगे हैं हैं।

अमेरिका से प्रकाशित होने वाली साइंस दिल्ली नामक पत्रिका में प्रकाशित पेपर में डॉ. बेरिट ऑस्ट्रोम ने लिखा है कि यह परियोजना इस बात की जांच करने में लगी है कि काल्पनिक कथाओं जैसे विज्ञान कथा कहानियों और फिल्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात एआई को किस प्रकार बताया और समझाया गया है, ताकि यह समझा जा सके कि हम एआई को क्या अपने जीवन या परिवार के हिस्से के रूप में ऐसी दुनिया की कल्पना कर सकते हैं, जहां रोबोट परिवार का हिस्सा बन सके। डॉ. बेरिट ऑस्ट्रोम ने यह भी लिखा है कि यह परियोजना सिर्फ रोबोट और एआई के बारे में नहीं कार्य कर रही है, बल्कि परिवार और रिश्तों को कैसे बेहतर ढंग से सजाया, संवारा और चलाया जा सकता है, उसपर भी काम कर रही है।

डॉ. ऑस्ट्रोम ने आगे लिखा है कि इसमें कोई दो राय नहीं है जब हमारे घनिष्ठ रिश्ते हमारे समाज का आधार बनते हैं जिसमें देखभाल की जिम्मेदारियों से लेकर जीवन में होने वाली तमाम परिवर्तनकारी निर्णयों तक हर चीज को नियंत्रित करना पड़ता है। उन्होंने आगे लिखा है कि जैसे-जैसे एआई हमारे दैनिक जीवन में जिसमें स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक देखभाल मैं आगे बढ़ रहा है,वैसे-वैसे हम अधिक से अधिक इस पर भरोसा भी कर रहे हैं। यहां तक कि मानव और गैर-मानव(रोबोट) के बीच की सीमाएं तेजी से घटती जा रही हैं। ऐसी स्थिति में जहां यह विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहा है , वहीं पर हमारे परिवार से लेकर हमारी कम्युनिटी के बीच जगह बनाती हुई एआई की संभावित भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठने लगे हैं।

एआई और नाते-रिश्ते तक पहुंचने की संभावनाओं पर आधारित इस परियोजना की आधारशिला काल्पनिक कथाओं पर गहन शोध कार्य जारी है। अनुसंधानकताओं ने इस विषय में विशेष चिंता की है कि अगर रोबोट घर का सदस्य बन गया तो क्या हमारे विशेष रुचि का ध्यान रख पाएगा और क्या पारिवारिक संबंधों में एआई की क्षमता विद्यमान है। ऐसी दशा में इसमें दो राय नहीं कि जैसे-जैसे जनसंख्या वृद्धि हो रही है, देखभाल करने वालों से लेकर हर परिवार में सभी के सहयोग-सहायता देने वाली सुविधाओं की आवश्यकता बढ़ती जाती है। इस मामले में एआई-संचालित रोबोट और वर्चुअल असिस्टेंट संभवतः इस अंतर को भर सकते हैं तथा मैत्रीपूर्ण व्यवहार, भावनात्मक अनुभव और व्यावहारिक देखभाल प्रदान कर सकते हैं। हालाँकि, इससे परिवार और रिश्तेदारी की प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए जा रहे हैं। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि क्या रोबोट सचमुच हमारे परिवार का हिस्सा हो सकता है या यह हमारे रिश्तों को सहारा देने वाला एक उपकरण मात्र बंद कर रह जाएगा?

जैसे-जैसे एआई हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण हिस्सा होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में यह विचार करना आवश्यक है कि हम इन प्रौद्योगिकियों से कैसे और क्यों जुड़ना चाहते हैं। क्या रोबोट रूपी मां या रोबोट रूपी भाई-बहन या बच्चा हो तैयार किया जा सकता है? क्या, इस तरह की दुनिया जल्दी ही आने वाली है ? एआई या रोबोट के द्वारा तैयार पारिवारिक रिस्ते परियोजना हमें इन सवालों का पता लगाने और एक ऐसे दुनिया की कल्पना साकार हो सकती है, जहां एआई हमारे परिवारों का हिस्सा बन सकता है। कुल मिलकर, इस परियोजना का लक्ष्य यह है कि वैज्ञानिक इस प्रकार के अनुसंधान कार्यों को अभी बढ़ाने से पहले इसके परिणाम पर गंभीरता से सोच विचार कर लें कि हम अपने समाज में एआई या रोबोट परिवार चाहते हैं या नहीं। वैज्ञानिकों ने माना है कि शुरूआती तौर पर काल्पनिक कथाओं को आधार मानकर एआई की कल्पना की जाती है। फिर इस पर अनुसंधान किया जाता है। वैज्ञानिकों के सामने यह छोटी चुनौती नहीं है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी रहन-सहन, संस्कृति तथा सभ्यता को ठीक प्रकार से समझे और उसी अनुसार विकल्पों का उत्तर ढूंढे तथा प्रयोग में लाए।

जैसा कि अपने रिसर्च पेपर में डॉ. ऑस्ट्रोम ने लिखा है, ₹एआई के विश्लेषण परक क्षमता से हमें यह समझने में मदद मिल सकती है कि हम रिश्तों को सजा संवार कर पूरे परिवार की देखभाल की जिम्मेदारी को रोबोट के मस्तिष्क में भर सकते हैं और इस आधार पर हम भविष्य में एआई द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले संभावित विकल्पों की कल्पना कर सकते हैं।

डॉ. ऑस्ट्रोम ने आगे लिखा है कि इसमें कोई दो राय नहीं है जब हमारे घनिष्ठ रिश्ते हमारे समाज का आधार बनते हैं जिसमें देखभाल की जिम्मेदारियों से लेकर जीवन में होने वाली तमाम परिवर्तनकारी निर्णयों तक हर चीज को नियंत्रित करना पड़ता है। उन्होंने आगे लिखा है कि जैसे-जैसे एआई हमारे दैनिक जीवन में जिसमें स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक देखभाल मैं आगे बढ़ रहा है,वैसे-वैसे हम अधिक से अधिक इस पर भरोसा भी कर रहे हैं। यहां तक कि मानव और गैर-मानव(रोबोट) के बीच की सीमाएं तेजी से घटती जा रही हैं। ऐसी स्थिति में जहां यह विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहा है , वहीं पर हमारे परिवार से लेकर हमारी कम्युनिटी के बीच जगह बनाती हुई एआई की संभावित भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठने लगे हैं।

एआई और नाते-रिश्ते तक पहुंचने की संभावनाओं पर आधारित इस परियोजना की आधारशिला काल्पनिक कथाओं पर गहन शोध कार्य जारी है। अनुसंधानकताओं ने इस विषय में विशेष चिंता की है कि अगर रोबोट घर का सदस्य बन गया तो क्या हमारे विशेष रुचि का ध्यान रख पाएगा और क्या पारिवारिक संबंधों में एआई की क्षमता विद्यमान है। ऐसी दशा में इसमें दो राय नहीं कि जैसे-जैसे जनसंख्या वृद्धि हो रही है, देखभाल करने वालों से लेकर हर परिवार में सभी के सहयोग-सहायता देने वाली सुविधाओं की आवश्यकता बढ़ती जाती है। अमेरिका से प्रकाशित होने वाली साइंस दिल्ली नामक पत्रिका में प्रकाशित पेपर में डॉ. बेरिट ऑस्ट्रोम ने लिखा है कि यह परियोजना इस बात की जांच करने में लगी है कि काल्पनिक कथाओं जैसे विज्ञान कथा कहानियों और फिल्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात एआई को किस प्रकार बताया और समझाया गया है, ताकि यह समझा जा सके कि हम एआई को क्या अपने जीवन या परिवार के हिस्से के रूप में ऐसी दुनिया की कल्पना कर सकते हैं, जहां रोबोट परिवार का हिस्सा बन सके।

डॉ सुधानंद झा ज्योतिषी द्वारा प्रस्तुत दैनिक राशिफल

डा सुधा नन्द झा

१ मेष राशि--सुंदर और सफल दिन के रूप में जाना जाएगा आज आपका बुधवार। अपने ओर से कोई आस सावधानी नहीं कीजिएगा तो आज आपको चौतरफा सफलता मिलेगी

२ वृष राशि--अपने घरेलू जीवन के साथ-साथ अपने सामाजिक जीवन को भी अच्छा बनाइए। आज का दिन आपको अपने जीवन में आगे बढ़ने का अच्छा अवसर देगा। अब आपके ऊपर निर्भर है इस अवसर का आप कैसे लाभ उठाते हैं।

३ मिथुन राशि --आज के ग्रह स्थिति आपकी सफलता के लिए हर प्रकार से अनुकूल है लोगों का सहयोग भी पूरा मिलेगा अपने आप को खुश रखिए स्वस्थ रखें और अच्छे विचारों से परिपूर्ण रखिए। आज ग्रहण की स्थिति आपको ऐतिहासिक सफलता दे सकती है

४ कर्क राशि --राजनीतिक खेलकूद प्रशासन या कोर्ट कचहरी आप जहां भी काम करते हैं सीखने का काम करते हैं या सीखने का काम करते हैं शिक्षा के क्षेत्र में जुड़े हैं या फिर आप बिल्कुल पेशेवर व्यक्ति हैं या आप अपने जीवन की तैयारी कर रहे हैं आज आपका दिन हर प्रकार से सुख समृद्धि और सौभाग्य देने वाला सिद्ध होने जा रहा है ।

५ सिंह राशि -अपने दांपत्य जीवन पर ध्यान दीजिए अपने माता-पिता अपने कल एक लोगों के साथ अच्छा व्यवहार कीजिए किंतु वैसे सत्संग से दूरी बनाकर रखिए जो आपके चरित्र को दूषित करें आपका पारिवारिक वातावरण को बर्बाद कर दे घमंड नहीं कीजिए सत्य को स्वीकार कीजिए

६ कन्या राशि --अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान दीजिए आप अपने फिटनेस पर ध्यान दीजिए आप क्या बोलते जा रहे हैं क्या सोने जा रहे हैं और क्या करने जा रहे हैं किस प्रभावित हो रहे हैं आज इन सारी बातों पर आपको ध्यान देना होगा

७ तुला राशि --अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने दीजिए कुछ लोग आपको प्रभावित करने के लिए चापलूसी करेंगे तो और मरोड़ कर बातों को आपके सामने रखेंगे तो आप भारी समस्याएं में पड़ सकते हैं

८ वृश्चिक राशि --यदि आप शिक्षा जगत से जुड़े हुए हैं आप कोचिंग का काम करते हैं आप किसी को परामर्श करते हैं आज आप समाज को डील करते हैं तो आज आपका दिन बहुत सुंदर है ।

९ धनु राशि --आज का दिन आपका पारिवारिक व्यक्तिक और सामाजिक तीनों जीवन के लिए बहुत सुंदर है आपके परिवार से आदर सम्मान मिलेगा आपको अपने प्रतिष्ठान से सम्मान मिलेगा और आज आपका स्वयं का दिन अच्छा रहेगा इसलिए आज आपको दिन भर आनंद का उत्सव जैसा अनुभव होगा

१० मकर राशि --यदि आपको नींद की समस्या है बहुत नींद आती है काम करने की इच्छा नहीं होती या आपको नींद ही नहीं आती है दवा लेने पड़ती है तो आज अपने रूटीन में थोड़ा सा परिवर्तन कीजिए अपने स्वभाव में थोड़ा सा परिवर्तन कीजिए योग प्राणायाम कीजिए ईश्वर का चिंतन कीजिए

११ कुम्भ राशि --बातों बातों में बात आगे बढ़ सकते हैं और बातों बातों में आपका काम भी आगे बढ़ सकता है। इसीलिए आज किसी से बात करते समय फोन पर या सामने से उसे विषय पर नकारात्मक विवेचन नहीं कीजिएगा ।

१२मीन राशि --अपने स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान दीजिए आप बिना सोचे समझे कहीं की यात्रा मत कीजिए बिना सोचे समझे किसी के साथ पार्टनरशिप नहीं कीजिए और बिना सोचे समझे कहीं भी सामाजिक कार्य मत कीजिए

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी जमशेदपुर झारखंड मो एवं वाट्सअप नंबर 9430336503

सरायकेला मे मनरेगा दिवस के अवसर पर संगोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

ग्रामीण क्षेत्र के अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की दिशा में कार्य करें पदाधिकारी :सोनाराम बोदरा

नगर भवन,सरायकेला सभागार में आज मनरेगा दिवस कार्यक्रम के तहत संगोष्ठी सह सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष श्री सोनाराम बोदरा,उप विकास आयुक्त श्री आशीष कुमार अग्रवाल एवं जिला परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती मधुश्री महतो समेत अन्य अतिथियों के द्वारा सामूहिक रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न पंचायत में 100 दिन रोजगार पूर्ण करने वाले किसान/मजदूर एवं मनरेगा योजनाओं के विभिन्न क्षेत्र मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त श्री आशीष कुमार अग्रवाल ने कहा कि मनरेगा के तहत 100 दिन रोजगार का लाभ अवश्य लें,योजना के तहत आवेदन के पश्चात 15 दिन के अंदर कार्य मिलना प्रारंभ हो जाता है। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फ किसानों के कार्य उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है बल्कि मनरेगा के तहत किसानों के आय में वृद्धि,पलायन को रोकने तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बेहतर कार्य किया जा रहा है। अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त ने कहा कि मनरेगा अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारी कर्मी एवं लाभुक अपने-अपने क्षेत्र में मनरेगा एंबेसडर के रूप में कार्य कर अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के क्रम में अधिक से अधिक लाभुकों को योजनाओ की जानकारी दें तथा योजना से जुड़े लाभ लेने हेतु प्रेरित करें ताकि योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूर्ण किया जा सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष श्री सोनाराम बोदरा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की दिशा में कार्य करें, किसान की आय में वृद्धि से न सिर्फ जिले,राज्य बल्कि राष्ट्र का विकास सम्भव है। उन्होंने कहा कि मनरेगा की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए ग्रामीणों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है जिसका लाभ सभी योग्य लाभुक ले।

श्री बोदरा ने कहा कि मनरेगा के तहत विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों के साथ संपर्क स्थापित कर विभिन्न योजनाओं का लाभ लें तथा नए सहायक उपकरणों/तकनीको का प्रयोग कर अपने आय मे बढ़ोतरी लाने की दिशा मे कार्य करें। श्री बोदरा ने कहा कि स्थानीय क्षेत्र पर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं पंचायत प्रतिनिधि (मुखिया) अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरी तत्परता एवं ईमानदारी से करते हुए मानव दिवस का सृजन कर शत प्रतिशत योग्य लाभुकों को रोजगार दें तथा उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा मे कार्य करें।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहायक समाहर्ता श्री कुमार रजत,निदेशक ग्रामीण विकास अभिकरण, सरायकेला-खरसावां डॉ अजय तिर्की, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला श्री सदानंद महतो, जिला कृषि पदाधिकारी श्री संजय कुमार,कार्यपालक दंडाधिकारी सत्येंद्र महतो, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं विभिन्न पंचायत के मुखिया एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

जीसीजेडी हाई स्कूल में प्रतिमा विसर्जन के बाद खिचड़ी भोग का हुआ वितरण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

शिक्षण संस्थानों की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

मुसाबनी:-सरस्वती पूजा पर स्थापित सरस्वती माता की प्रतिमा का विसर्जन मंगलवार से शुरू हो गया है। मंगलवार को अधिकांशतः शिक्षण संस्थानों में स्थापित देवी प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। शहर के विभिन्न स्कूलों में स्थापित प्रतिमा की आज सुबह पूजन व हवन कराया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने एक दुसरे को अबीर गुलाल लगा और फिर प्रतिमा को लेकर स्थानीय स्वर्णरेखा घाट जाकर विसर्जित कर दिया। वही शहर में स्थापित बड़े व सार्वजनिक पूजा समिति की ओर से बुधवार को प्रतिमा विसर्जन किया जायेगा।

विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन को पूरे भक्तिभाव व पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस दौरान विसर्जन पूजन व आरती का आयोजन किया गया। सरस्वती प्रतिमा का विसर्जन पूर्व जीसीजेडी उच्च विद्यालय सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों व बच्चों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर बसंत पंचमी की बधाई दिया। इसके बाद मां की प्रतिमा को लेकर गाजे-बाजे के साथ जुलूस की शक्ल में विसर्जन के लिए स्वर्ण रेखा नदी तक ले जाया गया। जहां देवी की प्रतिमा को भावपूर्ण तरीके से विसर्जन किया गया। मौके पर श्रद्धालुओं द्वारा मां सरस्वती से विद्या व ज्ञान का वर मांगते हुए उन्हें विदा किया। प्रतिमा विसर्जन के बाद जी सी जे डी हाई स्कूल में शिक्षकों एवं बच्चों के लिए खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सचिव कुंदन कुमार सिंह, प्रिंसिपल मुरारी प्रसाद सिंह, शिवपूजन सिंह चौहान, निराकार साव,विनोद कुमार लाल, निमाई मार्डी, पंडित सोमेश्वर झा,बिष्णु पातर, राहुल लामा,बासुदेव गिरी,किरण सिंह, अल्पना सिंह, मनोज कुमार सिंह आदि का अहम योगदान रहा।

गुडाबांदा प्रखण्ड सभागार में हुई बीएलबीसी की बैठक एवं किसान ऋण मेला का आयोजन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

25 नए केसीसी आवेदन सृजित एवं 5 किसानों को मिला ऋण स्वीकृति पत्र

गुडाबांदा प्रखण्ड सभागार में प्रखण्ड स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक एवं किसान ऋण मेला आयोजित किया गया। एसडीओ घाटशिला श्री सुनील चन्द्र की अध्यक्षता में आहूत बैठक में वित्तीय समावेशन, सरकारी ऋण योजनाओं के क्रियान्वयन, ऋण वितरण की प्रगति और स्थानीय विकास में सहयोग सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

अग्रणी जिला प्रबंधक ने कहा कि गुडाबांदा एक पिछड़ा प्रखंड है, जहां बैंकिंग सेवाओं की सुलभता बढ़ाने और किसानों को अधिक से अधिक ऋण सुविधा प्रदान करने की जरूरत है।

इस अवसर पर बीडीओ गुड़ाबांदा व प्रखंड के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। मौके पर किसानों को केसीसी ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किया गया। बैठक में 30-35 ग्रामीण शामिल हुए जिनमें से 5 किसानों को केसीसी ऋण स्वीकृति पत्र दिया गया, 25 नए आवेदन प्राप्त हुए तथा लंबित ऋण मामलों के शीघ्र निपटारे का निर्देश बैंक शाखा प्रबंधक श्री राजेश मार्डी को दिया गया।

कांड्रा स्थित हरिश्चंद्र विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।कांड्रा स्थित हरिश्चंद्र विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक आयोजित किया गया। इस दौरान विधि विधान से सरस्वती पूजनोत्सव का आयोजन भी किया गया। तत्पश्चात, बीते पांच दिनों से बच्चों के बीच सम्पन्न हुए विभिन्न खेल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर अतिथि के रूप में वरीय शिक्षक जेएन मिश्रा, उच्च विद्यालय के प्राचार्य जेडी महतो आदि उपस्थित थे जिनके द्वारा बच्चो को पुरस्कृत किया गया। इसके आयोजन में सहायक शिक्षक रंजीत श्रीवास्तव, कुमारी तुलसी, कुमारी संजू, मध्य विद्यालय के प्राचार्य विनोद वार्ष्णेय आदि का योगदान रहा। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक डी0 साव, केसी महतो, पीएल महतो, करमू मंडल, सुकू सरदार, मधुसूदन महतो समेत सभी बच्चे उपस्थित थे।

ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के. श्रीनिवासन एवं मनरेगा आयुक्त मृत्युंजय वर्णवाल का गम्हरिया प्रखंड के बड़ाकांकड़ा पंचायत का दौरा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के. श्रीनिवासन एवं मनरेगा आयुक्त मृत्युंजय वर्णवाल द्वारा मंगलवार को गम्हरिया प्रखंड के बड़ाकांकड़ा पंचायत का दौरा कर विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने उक्त पंचायत में बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुक महेंद्र उरांव द्वारा तैयार किया गया बागवानी मिशन का अवलोकन किया। साथ ही, वहां सिंचाई योजना और आवास योजना की प्रगति का भी उनके द्वारा निरीक्षण कर इन योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दि ताकि ग्रामीणों को समय पर लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के. श्रीनिवासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को बरसात से पूर्व सभी विकास योजनाओं को अनिवार्य रूप से पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही, अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं और योजनाओं के प्रभाव की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी अभय कुमार द्विवेदी के अलावा पंचायत के मुखिया, रोजगार सेवक और जिला ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एस .एस. राणा. पब्लिक. एकेडमी. में वार्षिक महोत्सव

राष्ट्र संवाद संवाददाता
संजय कुमार

चांडिल प्रखंड के चौलीबासा स्थित एसएस राणा पब्लिक एके-डमी स्कूल में आयोजित वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान आनंद मंडल एवं झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, खूंटी शाखा के प्रबंधक गणेश लाल साव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक गणेश लाल साव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में कम शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना सराहनीय पहल है। उन्होंने विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि राणा अकैडमी व्यवसायिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खोला गया है।

पूर्व पंचायत सचिव गुरुचरण साव ने कहा कि छोटे बच्चों को लंबी दूरी तय कर स्कूल भेजने के बजाय स्थानीय विद्यालयों में पढ़ाई कराना चाहिए, जिससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास संतुलित रूप से हो सके।

महोत्सव के दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान आनंद मंडल, चितरंजन सिंह, नारायण सेन, गुरुचरण साव, परीक्षित महतो, स्कूल प्रबंधक प्रदीप राणा, प्राचार्या मोनिका साव, दिलीप राणा, मिंटू राणा, रिया राणा, अंजना महतो, छाया सिंह और रेखा गोराई सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता राजाराम गुप्ता ने सिविल सर्जन से की भेंटवार्ता

राष्ट्र संवाद संवाददाता
रामगोपाल जेना

सदर अस्पताल में जल्द होगी डायलिसिस हृदय संबंधी बीमारियों, तथा ऑन्कोलॉजिस्ट विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता - सिविल सर्जन

चाईबासा:- चाईबासा के अधिवक्ता सह सामाजिक कार्यकर्ता राजाराम गुप्ता ने मंगलवार को असैनिक शल्य चिकित्सक प. सिंहभूम के कार्यालय में सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो कुमार मांझी से भेंटवार्ता की। तथा सदर अस्पताल में मरीज के बेहतर इलाज एवं सुविधा हेतु डायलिसिस एवं कार्डियोलॉजिस्ट के चिकित्सकों की उपलब्धता को लेकर आवश्यक पहल करने की मांग की। श्री गुप्ता ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के अधिकांश प्रखंडों से मरीज डायलिसिस करवाने के लिए सदर अस्पताल आते हैं परंतु व्यवस्था नहीं रहने के कारण गरीब तबके के मरीजों को बाहर जाकर डायलिसिस करवाना पड़ता है यही स्थिति हृदय संबंधी मरीजों की है।इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो कुमार मांझी जानकारी देते हुए बताया कि सदर अस्पताल में जल्द ही डायलिसिस एवं कार्डियोलॉजिस्ट के विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सदर अस्पताल में सुनिश्चित की जा रही है। वहीं सिविल सर्जन ने राजाराम गुप्ता को जानकारी देते हुए बताया कि डायलिसिस एवं कार्डियोलॉजिस्ट विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ-साथ स्किन श.ऊ., तथा ऑनकोलॉजिस्ट (कैंसर संबंधी चिकित्सक) के कुशल चिकित्सको के साथ-साथ सदर अस्पताल में इनफर्टिलिटी क्लिनिक हेमेटोलॉजी ब्लड डिजोआर्डर(थैलेसीमिया, व सिक्स सेल एनीमिया एवं हीमोफीलिया) इत्यादि जांच की भी सुविधा जल्द से जल्द उपलब्ध हो रही है। वही हृदय संबंधी जांच व इलाज के साथ-साथ ई. सी. जी. एवं इको की सुविधा का लाभ मरीज को मिलेगा तथा उन्हें बाहर जांच व इलाज के लिए जाना नहीं पड़ेगा। इन सभी व्यवस्थाओं के लिए कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

ग्वालकाटा पंचायत में मनरेगा योजना से श्रमिकों को जोड़ने को लेकर हुई बैठक, रोजगार सेवक की पहल पर 75 मजदूरों का बना जॉब कार्ड

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जादूगोड़ा : पोटका प्रखंड अंतर्गत ग्वालकाटा पंचायत में मनरेगा योजना से श्रमिकों को जोड़ने को लेकर बैठक।इधर जिला परिषद सोन मुनि सरदार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को जोड़ने व इस अभियान को सफल बनाने के लिए क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाने का फैसला लिया गया।।इधर इस बैठक के बाद रोजगारसेवक गौतम भक्त ने कहा कि पहले दिन 75 मजदूरों ने जॉब कार्ड बनाने को लेकर आवेदन किया गया।यह अभियान आगामी 8 फरवरी तक चलेगा जिसके तहत रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत पोडसा व ग्वालकाटा के ग्रामीणों को मनरेगा के तहत रोजगार मुहैया कराया जाएगा ताकि गांव की आर्थिक स्थिति मजबूत हो।बैठक में जिला परिषद सोन मुनि सरदार, ऑपरेटर चादन भक्त,, जोबा टुडू समेत एक दर्जन गांव की महिलाओं ने भाग लिया व मनरेगा योजना से जोड़ने का इच्छा जाहिर की।

राजनगर : सनराइज इंग्लिश स्कूल छोटा खीरी में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर वार्षिक महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ समापन

सनराइज इंग्लिश स्कूल छोटा खीरी में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर वार्षिक महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण हुआ समापन।

विद्यालय में भक्ति भाव से विद्या की देवी मां सरस्वती पूजा की गई। पूजा अर्चना समाप्त होने के बाद सभी विद्यार्थियों, अभिभावक एवं अतिथि को प्रसाद , पूरी , बुदिया सभी को दिया गया।

मुख्य अतिथि जिला परिषद श्रीमती ओमोदिनी महतो के द्वारा दीप प्रज्वलित कर संस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

उसके बाद विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न भाषाओं से संस्कृत कार्यक्रम किये। कार्यक्रम में नाटक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ , बाल सखा , सोशल मीडियारों द्वारा दुसप्रभाव, दुख झाली मकर परोबेर माताल जमाई आदि का मंचन हुआ। छात्र-छात्राओं द्वारा उड़िया, बांगला , संथाली , हो , भक्ति गाना , हिंदी के गानों से एक से एक नृत्य कर सभी दर्शकों का मन मोह लिए। नाटक के माध्यम से आज के दौर में सोशल मीडिया , फेसबुक इंस्टाग्राम , व्हाट्सएप आदि के बढ़ रहे चलन से हो रहे दुष्प्रभाव से बचने का संदेश दिया। आसपास , दूरदराज से हजारों की संख्या में दर्शकगण पहुंचे थे।विद्यालय की ओर से अच्छे प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार दिया गया।

विद्यालय के सचिव पवन महतो ने कहा कि बच्चों के सवार्गीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ हमारी परंपराओं और संस्कृतिक मूल्यों को भी सहेजना आवश्यक है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में टिंटीडीह पंचायत के मुखिया , टिंटीडीह पंचायत के पंचायत समिति सदस्य ,बाना पंचायत के मुखिया , छोटा खीरी गांव के प्रधान , उपस्थित रहे

सार-संक्षेप

भाजपा की जिला स्तरीय सक्रिय सदस्यता जाँच उपसमिति का गठन, दिनेश कुमार को बड़ी जिम्मेदारी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रदेश स्तर से जिला स्तरीय सक्रिय सदस्यता जाँच एवं सत्यापन उपसमिति का गठन किया है। इस उपसमिति के तहत पश्चिमी सिंहभूम भाजपा संगठन का संयोजक जमशेदपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार को बनाया गया है। उनके सहयोगी के रूप में प्रताप कटियार एवं मनोज लियांगि को सदस्य नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा, जमशेदपुर महानगर के लिए जेबी तुबिद को संयोजक एवं गुंजन यादव और अप्पा राव को सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह गठन भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद के हस्ताक्षर से किया गया है।

जादूगोड़ा थाने के मुंशी पर अवैध वसूली का आरोप

ग्रामीणों ने विधायक संजीव सरदार से की कारवाई की मांग

राष्ट्र संवाद संवाददाता

घाट शिला पूर्वी सिंहभूम जिले के जादूगोड़ा थाने में कार्यरत मुंशी कौशल कुमार पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगे हैं। इस संबंध में ग्राम वासियों ने स्थानीय विधायक संजीव सरदार के जनता दरबार में पहुंच कर उन्हें एक लिखित शिकायत सौंपी है, जिसमें मुंशी कौशल कुमार द्वारा गेट पास बनाने के लिए चरित्र प्रमाण पत्र या अन्य कागजी काम के नाम पर ?100 रुपए और पासबुक गुमशुदगी की रिपोर्ट बनाने के लिए ?500 रुपए तक की रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकताओं के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति निर्धारित रिश्वत राशि नहीं देता है, तो उसका आवेदन लंबित रख दिया जाता है। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। शिकायत पत्र में मांग की गई है कि आरोपी मुंशी को तत्काल निलंबित किया जाए। ग्रामीणों ने जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक को भी इस आवेदन की प्रतिलिपि दी है। इस शिकायत पत्र पर कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं, जिनमें बृहस्पति राय, राजीव सिंह, गणवीर सिंह, जगन्नाथ रजक, रवि उरांव आदि शामिल हैं।

शिरडी साई भक्त मंडली ने जरूरतमंद बच्चों के बीच पुराने वस्त्र का किया वितरण

राष्ट्र संवाद संवाददाता रामगोपाल जेना

चक्रधरपुर ।श्री शिरडी साई भक्त मंडल की ओर से श्री साईं देवस्थान के द्वारा कुदलीबाड़ी में जरूरतमंद बच्चों के बीच पुराने वस्त्र का वितरण किया गया

मौके पर शिरडी साई भक्त मंडल के श्रीमती मिनिता दोदराजका।श्रीमती शिखा भगेरिया ,श्रीमती अंजू खिरवाल,डॉक्टर प्रतिभा प्रधान और गणेश पाड़िया मौजूद थे

मौके पर श्री शिरडी साई भक्त मंडल के प्रमुख सदस्य श्रीमती मीनिता दोदराजका ने कहा कि शिरडी साई भक्त मंडल की ओर से समाजिक क्षेत्र में कार्य जारी रहेगा।।

ग्रामीणों की पहल से नष्ट हुई 4 एकड़ अवैध अफीम की खेती

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चौका थाना क्षेत्र के हेस्साकोचा पंचायत के रंगामटिया गांव में नशा विरोधी जागरूकता अभियान का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। यहां ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से करीब 4 एकड़ भूमि पर की गई अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया।

यह पहल चांडिल पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का नतीजा मानी जा रही है। चौका थाना प्रभारी बजरंग महतो के नेतृत्व में इस अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव और अवैध खेती के खिलाफ जागरूक किया गया था।

ग्रामीणों की इस साहसिक पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है। पुलिस अधिकारियों ने भी इस कदम की प्रशंसा करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत बताया है।

कांड्रा-सरायकेला मार्ग पर कोलाबीरा में दुर्घटना से महिला की मौत चालक फरार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।कांड्रा-सरायकेला मार्ग पर कोलाबीरा में मंगलवार को तेज रफ्तार टेलर संख्या द्वारा बाईक में ठोकर मार दिए जाने से उसपर सवार सरस्वती देवी (34) नामक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाईक चला रहा उसका पति कृष्णा तांती गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के आधे घंटे तक पति-पत्नी सड़क पर तड़पते रहे लेकिन पुलिस नहीं पहुंच सकी थी। इसी दौरान उक्त सड़क मार्ग से गुजर रहे विधायक प्रतिनिधि सनंद कुमार आचार्य ने सरायकेला थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। इस बीच ठोकर मारने के बाद भाग रहे टेलर को टाटा स्टील के कर्मी अनिल कुमार शर्मा एवं आदित्यपुर के एक पुलिसकर्मी ने कोलाबीरा अंडरग्राउंड ब्रिज के समीप रोका। खुद को घिरता देख टेलर चालक कूदकर मौके से भाग निकला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं घायल कृष्णा तांती को इलाज के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भिजवाया। बताया गया है कि बाईक सवार दंपत्ति सीनी के रेंगुडीह ग्राम के निवासी हैं। वे बाइक से अपनी पत्नी के साथ टाटा से घर जा रहे थे। इसी क्रम में सरायकेला की ओर से आ रहे टेलर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

छात्राओं ने विधिक सेवा कार्यक्रम को करेंगे प्रचार प्रसार

सरायकेला -शहीद निर्मल महतो मंदिर महेशकुदर में जिला विधिक सेवा के अधिकार मित्र रवि कांत भकत द्वारा कक्षा नवीं के छात्रों को विधिक सेवा कार्यक्रम के बारे में बताया गया। इस क्रम में डीएलएसए के कुछ प्रमुख कार्यों में महिलाओं एवं बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा, विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान, ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता, आर्थिक रूप से कमजोर या हाशिए पर पड़े लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता, बाल अधिकार, बाल श्रम, बाल विवाह, गुमशुदा बच्चे, बालिकाओं की तस्करी से संबंधित मामलों, वैकल्पिक विवाद समाधान, के बारे में जानकारी प्रदान किया गया।

संगठन और मोदी के दम पर भाजपा, केजरीवाल मुफ्त योजनाओं के सहारे, कांग्रेस को फिर खड़े होने का भरोसा

नई दिल्ली,एजेंसी।

दिल्ली में चुनाव प्रचार थम चुका है। अब पांच फरवरी को मतदान होगा। चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद तीनों प्रमुख दलों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। भाजपा संगठन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कामकाज और केजरीवाल-आतिशी सरकार की एंटी इनकंबेंसी फैक्टर के दम पर जीत का दावा किया है। वहीं, अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि उनकी 55 सीटें आ रही हैं, महिलाओं ने साथ दिया तो यह संख्या 60 भी हो सकती है। कांग्रेस ने अपनी मजबूत वापसी की दावेदारी की है।

10 हजार बैठकें, 650 सभाएं-बीजेपी: भाजपा अपने मजबूत संगठन के लिए जानी जाती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी पार्टी संगठन का जबरदस्त काम दिखाई पड़ा है। चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि इस चुनाव के लिए उनके कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की है। उनके चार हजार से अधिक शक्ति केंद्र प्रमुखों ने लगातार बैठकें की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, संगठन के अन्य बड़े नेताओं की 650 से अधिक जनसभाएं हुई हैं।भाजपा के सहयोगी दलों में चंद्रबाबू नायडू के अलावा जदयू और लोजपा (रामविलास पासवान) के नेताओं ने भी भाजपा को ताकत देने की कोशिश की है।

आरएसएस-विहिप का साथ: भाजपा के चुनाव प्रचार में इस बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी जबरदस्त मेहनत की है। संगठन के नेता-कार्यकर्ताओं ने एक-एक बूथ की जिम्मेदारी संभाली और छोटी-छोटी बैठकों के अलावा कार्यकर्ताओं को चुनाव की ट्रेनिंग देने तक का काम संघ के नेताओं के हवाले रहा। आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने गलियों में खाक छानते हुए भाजपा के पत्रक तक बांटने का काम करते हुए देखे गए हैं। विहिप, बजरंग दल और सेवा भारती जैसे संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी इस चुनाव में भागीदारी की है। यदि भाजपा जीत हासिल करने में कामयाब रही तो इसका बड़ा श्रेय इन कार्यकर्ताओं को जाएगा।

हर वर्ग से किए गए हैं बड़े-बड़े वादे: केजरीवाल की मुफ्त बिजली-पानी की योजना उनकी सबसे बड़ी ताकत थी। माना यही जा रहा था कि उनकी इन्हीं योजनाओं के कारण कोई दूसरा दल 2015 और 2020 के चुनावों में उनके आसपास भी नहीं फटक पाया। लेकिन इस बार भाजपा ने किसी भी सेक्टर के मतदाताओं को लुभाने में कोई कमी नहीं रख छोड़ी है। पार्टी ने हर वर्ग को लुभाने के लिए बड़े चुनावी वादे किए हैं। झुग्गी-झोपड़ी के मतदाताओं के लिए पक्के मकान की योजना, महिलाओं को 2500 रुपये हर महीने देने की घोषणा, युवाओं के लिए 50 हजार सरकारी नौकरी, 20 लाख स्वरोजगार के अवसर सहित बुजुर्गों-श्रमिकों सबको साधने की कोशिश की गई है। भाजपा नेताओं का मानना है कि इस बार वे इस मामले में केजरीवाल से बहुत आगे हैं। विशेषकर झुग्गी वालों को पक्का मकान देने की योजना और महिलाओं की योजना गेम चेंजर साबित हो सकती है।

बजट ने कर दिया खेल: भाजपा को अनुमान है कि जिस तरह केंद्र सरकार ने बजट में मध्य वर्ग को 12 लाख रुपये तक की आय को कर मुक्त कर दिया है, इससे दिल्ली का लगभग 40 लाख मतदाता वर्ग प्रभावित होगा। इन परिवारों में यदि दो मतदाता भी हों तो यह दिल्ली के एक बड़े वर्ग को प्रभावित करने वाला निर्णय साबित हो सकता है। अरविंद केजरीवाल चुनाव के पहले जिस तरह विवादों में घिरे थे और भाजपा ने जिस ही सिमटा रहा है।

बच्चे ने उपमा की जगह मांगा चिकन फ्राई तो अब बदलेगा आंगनवाड़ी का मेन्यू; बड़ा फैसला लेने की तैयारी में केरल सरकार

नई दिल्ली,एजेंसी।

केरल से एक हैरान करने वाला मामले सामने आया है। वहां के आंगनवाड़ी में उपमा के बजाय एक बच्चे ने बिरयानी और चिकन फ्राई मांगा, बच्चा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राज्य की स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री वीना जॉर्ज ने अपने फेसबुक पेज पर शंकू नाम के एक बच्चे का ऐसा अनुरोध करते हुए वीडियो साझा किया और कहा कि आंगनवाड़ी के मेन्यू को संशोधित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चे ने मासूमियत में ऐसा बोला और इस पर विचार किया जा रहा है।

मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा- मेन्यू की होगी जांच: मंत्री ने शंकू, उसकी मां और आंगनवाड़ी स्टाफ को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, शंकू के सुझाव को ध्यान में रखते हुए मेन्यू की जांच की जाएगी। जॉर्ज ने बताया कि बच्चों के लिए पोषणयुक्त भोजन सुनिश्चित करने के लिए आंगनवाड़ियों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के भोजन उपलब्ध कराए जाते हैं।

अंडे और दूध की सुविधा: जॉर्ज ने आगे कहा, इस सरकार के तहत, आंगनवाड़ियों के माध्यम से अंडे और दूध उपलब्ध कराने की योजना सफलतापूर्वक लागू की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से, स्थानीय निकाय आंगनवाड़ियों में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराते हैं।

वायरल हुआ वीडियो: वायरल वीडियो में, टोपी पहने हुए बच्चे को मासूमियत से अपनी मां से पूछते हुए सुना गया, मुझे आंगनवाड़ी में उपमा के बजाय बिरनानी (बिरयानी) और पोरिचा कोझी (चिकन फ्राई) चाहिए। उनकी मां ने कहा कि घर पर बिरयानी खाते समय जब उन्होंने अनुरोध किया तो उन्होंने वीडियो बनाया, फिर इसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जहां यह वायरल हो गया। वीडियो देखने के बाद, हमें कुछ लोगों के फोन आए जिन्होंने शंकू को बिरयानी और चिकन फ्राई की पेशकश की।नेटिजेंस ने भी बच्चे के अनुरोध का समर्थन किया, कुछ ने सुझाव दिया कि सरकार को जेलों में दोषियों को दिए जाने वाले भोजन को कम करना चाहिए और आंगनबाड़ियों के माध्यम से बच्चों को बेहतर खाना देना चाहिए।

वक्फ विधेयक लाया गया तो देश में सामाजिक अस्थिरता आएगी, लोकसभा में ओवैसी का बयान

नई दिल्ली,एजेंसी।

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ विधेयक को लेकर सोमवार को सरकार को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि वक्फ विधेयक को इसके मौजूदा स्वरूप में लाया गया तो देश में सामाजिक अस्थिरता आएगी और पूरा मुस्लिम समुदाय इसे खारिज कर देगा। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए ओवैसी ने कहा, मैं सरकार को आगाह कर रहा हूं कि अगर वक्फ विधेयक इसी स्वरूप में लाया गया तो देश में सामाजिक अस्थिरता आएगी। पूरा मुस्लिम समुदाय इसे खारिज कर देगा। कोई मुस्लिम संपत्ति नहीं बचेगी।

देश को 80 और 90 के दशक में लौटाना चाहती है सरकार: वक्फ (संशोधन) विधेयक का अध्ययन करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य ओवैसी ने कहा कि वक्फ विधेयक को लाकर सरकार देश को 80 और 90 के दशक में लौटाना चाहती है। उन्होंने कहा, एक गौरवान्वित मुस्लिम के रूप में मैं अपनी मस्जिद और दरगाह का एक इंच भी नहीं लेने दूंगा। यह मेरी संपत्ति है। वक्फ मेरे लिए उपासना की तरह है।

विधेयक को सत्र में सदन में पेश किया जा सकता है: भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी ने गत सप्ताह बहुमत से वक्फ विधेयक पर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। इसे इस सत्र में सदन में पेश किया जा सकता है।

फलस्तीन का मुद्दा भी उठाया: ओवैसी ने सरकार पर विदेश नीति पर समझौता करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि भारत 'नरसंहार समझौता' (जेनोसाइड कन्वेंशन) में पक्षकार है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फलस्तीन में हो रहे 'नरसंहार' पर कुछ नहीं बोलते। एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि लाखों फलस्तीनी मारे गए और घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री यूक्रेन में युद्ध रोकने की बात करते हैं, लेकिन फलस्तीन को लेकर कुछ नहीं बोलते।

सियासतः राहुल गांधी के बयान और चुनाव आयोग के आंकड़ों में बड़ा विरोधाभास, मतदाता वृद्धि पर असंगत जानकारी

नई दिल्ली,एजेंसी।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दिए गए राहुल के बयान और चुनाव आयोग के आंकड़ों में विरोधाभास है। राहुल गांधी के दावे और तथ्य अलग अलग हैं। आयोग ने इस बारे में कांग्रेस को 24 दिसंबर को ही जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बाद भी राहुल गांधी ने संसद में मुद्दा उठाया। राहुल गांधी ने संसद पटल पर कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, तक की अवधि के बीच 70 लाख मतदाता जुड़े, जो हिमाचल प्रदेश के मतदाताओं के बराबर हैं। जबकि इस संदर्भ में चुनाव आयोग पहले ही कह चुका है कि यह तथ्य पूरी तरह भ्रामक हैं।

सिर्फ 48.8 लाख मतदाता बढ़े: आयोग द्वारा इस संबंध में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक वास्तविक वृद्धि केवल 48.8 लाख मतदाता थी। इसमें 18 से 29 आयु वर्ग के नए 2646608 मतदाता शामिल थे।, जबकि 18 से 19 साल के आयु वर्ग में ऐसे 8,72,094 मतदाता और 20-29 आयु वर्ग के 17,74,514 मतदाता थे, जो मुख्य रूप से आरपी अधिनियम, 1950 में हाल ही में किए गए संशोधनों के कारण संसदीय चुनावों के समय अंतिम एसएसआर की पात्र योग्यता तिथि 1.1.24 से अप्रैल 2024 तक के बाद 18 साल के हो चुके मतदाताओं के कारण बढ़ी।

उपलब्ध कराई गई मतदाताओं की संख्या: राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा के सभी मतदाताओं के नाम, पते और मतदान केंद्रों की जानकारी चुनाव आयोग नहीं देगा। जबकि हर चुनाव में बूथ वार मतदाताओं की सटीक संख्या फॉर्म 20 में पहले ही उपलब्ध करा दी गई है।

50 हजार से अधिक वोट जुड़ने वाली सिर्फ 6 विधानसभाएं: राहुल गांधी ने कहा कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नए मतदाता जुड़े, वहां भाजपा ने चुनाव जीता। कांग्रेस के अनुसार 50 विधानसभा में 50 हजार से अधिक नए मतदाता जुड़े, जिनमें से सत्तारूढ़ शासन और सहयोगियों ने 47 सीट जीतीं। जबकि आयोग बता चुका है।

अमेठी की यूपी-112 पुलिस को मिला प्रदेश में नौंवा स्थान

अमेठी।जिले की पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी हरेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में यूपी-112 अमेठी पुलिस ने अथक परिश्रम करते हुये प्राप्त इंवेट व अन्य कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जिससे मुख्यालय-112 लखनऊ द्वारा सोमवार को जारी मासिक गुणवत्ता रैंकिंग में जिले की यूपी-112 को प्रदेश में नौंवा स्थान मिला।यह जानकारी पुलिस ने दी।मिली जानकारी के अनुसार पुलिस आपात कालीन प्रबन्धन प्रणाली यूपी-112 परियोजना के अन्तर्गत मुख्यालय-112 लखनऊ द्वारा यूपी-112 के कार्यों की समीक्षा रैंकिंग पोर्टल पर जनपद वार प्रत्येक माह की जाती है।जिसमें इन बाउण्ड/आउट बाउण्ड,अवलेबल/नाट अवलेबल पीआरवी,प्रीम्ट इवेन्ट,कॉलर संतुष्टि,आरओआइपी एक्टिविटी,इवेन्ट क्लोजर,एवरेज रिस्पान्स टाइम, एवरेज एक्नॉलेज, एवरेज इनरुट आदि पर 100 पूर्णांक निर्धारित किया गया है।

चकबन्दी कार्यो को लेकर डीएम ने की बैठक

अमेठी।जिले में चल रही चकबंदी प्रक्रिया को लेकर डीएम निशा अनंत ने सोमवार को समीक्षा बैठक किया।बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी केलकर सिंह ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में जिले में चकबंदी की प्रक्रिया में 52 गांव शामिल थे जिसमें से अब तक 6 गांव की चकबंदी प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है 4 गांव अभी नए चकबंदी की प्रक्रिया में शामिल हुए हैं इस प्रकार वर्तमान समय में जनपद में 50 गांव में चकबंदी की प्रक्रिया चल रही है जिनमें से 3 गांव में धारा 52 का कार्य 20 फरवरी तक पूर्ण कराते हुए शासन को प्रस्ताव भेज दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि धारा 27 में 2 गांव पूर्ण कर लिए गए हैं इसके साथ ही धारा 8 में 3 गांव, धारा 9 में 2 गांव, धारा 10 में 11 गांव तथा धारा 20 में 2 गांवों में कार्य चल रहा है जिन्हें शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा।

समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार करें साथ ही पुराने गांव जो चकबंदी में चल रहे हैं उनको शीघ्र कब्जा परिवर्तन कर चकबंदी की प्रक्रिया को पूर्ण कराएं, किसी भी गांव में चकबंदी प्रक्रिया को रोका न जाए सभी गांवों में चकबंदी की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाए। बैठक में उन्होंने चकबंदी के तहत लंबित मुकदमों के निस्तारण की स्थिति की भी समीक्षा किया एवं संबंधित अधिकारियों को लंबित वादों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने की निर्देश दिए।

हेपेटाइटिस बी टीकाकरण कार्यक्रम : अमेठी को मिला प्रदेश में प्रथम स्थान

अमेठी।हेपेटाइटिस बी टीकाकरण कार्यक्रम में जिले को खास उपलब्धि हासिल हुई है।हेपेटाइटिस बी टीकाकरण कार्यक्रम में प्रदेश स्तर से जारी रैंकिंग में जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल हुआ है।यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह ने दी।मिली जानकारी के मुताबिक जिले की डीएम व मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की पहल से जिले के सभी चिन्हित डिलीवरी प्वाइंट पर 102 व 108 एवं अन्य माध्यम से कोल्ड बॉक्स में जीरो बर्थ डोज की सभी वैक्सीन पहुंचाकर सभी शिशुओं के टीकाकरण के लिए समुचित प्रयास किया जा रहा है।

ई-श्रम पोर्टल पर 2024 में 1.23 करोड़ से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण

नई दिल्ली,एजेंसी।

ई-श्रम पोर्टल पर 2024 में 1.23 करोड़ से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण किया गया जबकि औसतन प्रतिदिन 33,700 ई-श्रम पोर्टल पर श्रमिकों ने पंजीकरण कराया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने सोमवार को लोकसभा में एक सवाल के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। ई-श्रम पोर्टल पर 2024 में 1.23 करोड़ से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण

राज्य मंत्री करंदलाजे ने लोकसभा में बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 तक 1.23 करोड़ से ज?यादा श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जबकि प्रतिदिन औसतन 33,700 श्रमिकों ने श्रम पोर्टल पर अपना नामांकन कराया है। उन?होंने सदन को बताया कि इस वर्ष 28 जनवरी तक सरकार की विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए 30.58 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। राज्य मंत्री ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल की पहुंच बढ़ाने के लिए श्रम और रोजगार मंत्रालय ने भाषिणी प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए 7 जनवरी, 2025 को ई-श्रम पोर्टल को बहुभाषी बनाने की शुरूआत की। इस पहल के बाद अब श्रमिकों को 22 भारतीय भाषाओं में ई-श्रम पोर्टल के साथ संपर्क का अवसर मिलता है, जिससे अवसरों तक पहुंच में सुधार हो रहा है और सभी के लिए समावेशिता को बढ़ावा भी मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि श्रम और रोजगार मंत्रालय ने आधार के साथ जुड़े असंगठित श्रमिकों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस (एनडीयूडब्ल्यू) बनाने के लिए 26 अगस्त 2021 को ई-श्रम पोर्टल (ईश्रम डॉट.जीओवी डॉट इन) को लॉन्च किया। ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य, असंगठित श्रमिकों को, स्व-घोषणा के आधार पर एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) प्रदान करके उनका पंजीकरण करना और उनकी मदद करना है। को गाजा में स्वास्थ्य क्षेत्र के निर्माण की जानकारी लेनी चाहिए। फलस्तीनियों को छात्रवृत्ति के लिए भारत आमंत्रित करना चाहिए। खास तौर पर युवा और महिलाएं भी अपने घरों से बाहर निकलें। इन महापंचायतों से पहले किसान 11 फरवरी को फिरोजपुर में एसएसपी कार्यालय का घेराव करेंगे। कि ऐसी सिर्फ छह विधानसभाएं थीं जहां 50 हजार से अधिक मतदाता जुड़े। इस आधार पर 47 सीटें जीतने का सवाल नहीं उठता।

खनौरी में डल्लेवाल का अनशन 71वें दिन भी जारी

चंडीगढ़,एजेंसी।

पंजाब के खनौरी में एमएसपी समेत कई मांगों को लेकर चल रहा किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन मंगलवार को 71वें दिन में प्रवेश कर गया। मंगलवार को हरियाणा के 50 से ज्यादा गांवों के किसान अपने खेतों से पानी लेकर मोर्चे पर पहुंचेंगे। डल्लेवाल उसी पानी का सेवन करेंगे।

किसानों ने अब खनौरी व शंभू बॉर्डर पर 11 से 13 फरवरी तक आयोजित होने वाली महापंचायतों की तैयारी शुरू कर दी है। सभी किसान नेता गांव-गांव जाकर बैठकें कर रहे हैं। ताकि 14 तारीख को केंद्र सरकार के साथ होने वाली बैठक से पहले अपनी ताकत दिखा सकें। फसलों के एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत 13 मांगों को लेकर पंजाब और हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले आंदोलन चल रहा है। किसानों ने ऐलान किया है कि 11 फरवरी को रतनपुरा मोर्चा पर महापंचायत होगी, जबकि 12 फरवरी को खनौरी बॉर्डर और 13 फरवरी को शंभू मोर्चा पर किसान महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने लोगों से आह्वान किया है कि वे बड़ी संख्या में इन महापंचायतों में शामिल हों।

अमृतसर में बंद पड़ी पुलिस चौकी में धमाका पुलिस ने ग्रेनेड हमले से किया इनकार

चंडीगढ़,एजेंसी।

पंजाब के अमृतसर जिले में सोमवार की रात एक बंद पड़ी पुलिस चौकी में जोरदार धमाका हुआ है। पुलिस इस मामले जांच कर रही है लेकिन अमृतसर के पुलिस आयुक्त ने किसी प्रकार के धमाके से इनकार कर दिया है। जानकारी के मुताबिक अमृतसर बाईपास पर स्थित फतेहगढ़ चूड़ियां पुलिस चौकी में यह धमाका देर रात सुना गया। इसमें किसी के मारे जाने या घायल होने की सूचना नहीं है। घटनास्थल पर करीब छह इंच का गड्ढा देखा जा सकता है। इसकी जिम्मेदारी किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है।

जिस फतेहगढ़ चूड़ियां पुलिस चौकी को निशाना बनाया गया, वह पिछले साल बंद हो चुकी थी। धमाके की सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर अन्य अधिकारियों के साथ पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना कर मामले की जानकारी ली। पुलिस कमिश्नर अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने स्थिति का जायजा लेने के लिए तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। सीपी भुल्लर ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह आवाज किसी ग्रेनेड धमाके के कारण नहीं हुई है, लेकिन पुलिस इस आशंका से पूरी तरह इनकार भी नहीं कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि इसका प्रभाव बहुत कम था और शुरुआती तौर पर किसी विस्फोट के संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि, पुलिस इस आवाज के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए सीपी भुल्लर ने बताया कि पुलिस द्वारा मुख्य अमृतसर बाईपास के पास फतेहगढ़ चूड़ियां रोड पर एक पुलिस चेकिंग प्वाइंट (नाका) लगाया गया था। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने धमाके जैसी आवाज सुनी और तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि चौराहे से लगभग 20-30 फुट दूर सडक़ पर एक हल्का सा प्रभाव देखा गया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि इस घटना से पास की दीवार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। भुल्लर ने स्पष्ट किया कि इस स्थान पर कोई पुलिस चौकी नहीं है, क्योंकि यह चौकी कुछ महीनों पहले ही बंद कर दी गई थी, जिसकी जानकारी सभी को है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी; इंफाल समेत कई जगह से नौ उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

इंफाल,एजेंसी।

मणिपुर के इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, काकचिंग और थौबल जिलों से सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के मंत्रिपुखरी ठाकुरबाड़ी इलाके से सोमवार को 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (सिटी मेइती) के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से नौ एमएम की एक पिस्तौल, एक मैगजीन, 11 कारतूस, दो हथगोले और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थोकचोम लेईकाई से जबरन वसूली की

गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमसी) प्रोग्रेसिव' के एक सदस्य को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। 'प्रतिबंधित यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के एक सदस्य को भी जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल होने के आरोप में सोमवार को काकचिंग जिले के इरेंगबैंड हवाइरौ क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। मणिपुर पुलिस ने सोमवार को थौबल जिले के याइरीपोक बाजार से पीआरईपीएके (पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक- प्रो) के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि रविवार को सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के वबागई बाजार क्षेत्र से जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लुप के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया।

हथियार और गोला बारूद जब्त: इस बीच सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान के दौरान बिष्णुपुर और तेंगनौपाल जिलों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद जब्त किए। बिष्णुपुर जिले में खुगा नदी के तट के पास फोगाकचाओ ममांग लेईकाई इलाके में सोमवार को चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक एके-47 राइफल और एक मैगजीन, एक 2 इंच मोर्टार, दो एसएमजी कार्बाइन, दो देशी 9 एमएम पिस्तौल और मैगजीन, तीन हथगोले, दो आईईडी विस्फोटक, 20 जिलेटिन छड़ें और पांच 9 एमएम जिंदा कारतूस जब्त किए।

तीन दिन से कार्रवाई जारी: पुलिस ने सोमवार को इंफाल पश्चिम जिले के खुयाथोंग क्रॉसिंग से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से एक 9 एमएम पिस्तौल और एक मैगजीन जब्त की। इससे पहले रविवार को सुरक्षा बलों ने तेंग्नौपाल जिले के दुथांग लाइचिंग ट्रैक में तलाशी अभियान के दौरान एक 9 एमएम पिस्तौल मैगजीन के साथ, एक किए थे।

जैव ईंधन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने किए जरूरी उपाय

नई दिल्ली,एजेंसी।

जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति-2018 (2022 में संशोधित) ने जैव ईंधन उत्पादन के लिए विभिन्न फीडस्टॉक्स की पहचान की है। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ सी और बीङ्क भारी शीरा, गुड़, गन्ने का रस, चीनी, चीनी सिरप, घास के रूप में बायोमास, कृषि अवशेष (चावल का भूसा, कपास का डंठल, मकई के भुट्टे, चूरा, खोई आदि), चीनी युक्त सामग्री जैसे चुकंदर, मीठी ज्वार, आदि और स्टार्च युक्त सामग्री जैसे मकई कसावा शामिल है। इसके अलावा सड़े हुए आलू, कृषि खाद्य/लुगदी उद्योग अपशिष्ट, आदि, टूटे हुए चावल, मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त खाद्यान्न, राष्ट्रीय जैव ईंधन समन्वय समिति (एनबीसीसी) द्वारा घोषित अधिशेष चरण के दौरान खाद्यान्न, औद्योगिक अपशिष्ट, औद्योगिक अपशिष्ट गैसें, शैवाल और समुद्री खरपतवार भी शामिल है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने आज राज्य सभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने जैव ईंधन उत्पादन में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपाय किए हैं। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के तहत डीजल में जैव डीजल के मिश्रण/जैव डीजल की प्रतिशत करना आदि शामिल हैं।

बिहार सरकार ने वर्षों से खाली पड़े 7,000 पदों को भराः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश सरकार ने कानूनी विवादों के कारण वर्षों से खाली पड़े विभिन्न विभागों में करीब 7,000 पदों को भरा है। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आयोजित एक समारोह में कुल 6,341 कनिष्ठ अभियनताओं (जेई) को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

इन अधिकारियों को आठ विभागों में तैनात किया जाएगा।

इसके अलावा, इसी समारोह में श्रम विभाग में तैनात किए जाने वाले 496 अनुदेशकों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए।

प्रदेश सरकार में जल संसाधन मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने पत्रकारों से कहा, ह्लइनमें से ज्यादातर पदों के लिए बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने 2019 में ही विज्ञापन जारी कर दिया था। लेकिन कई अभ्यर्थियों ने पटना उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी थी।

भर्ती को चुनौती देने वाले अभ्यर्थियों में पहले से ही संविदा के आधार पर सेवाएं देने वाले और गैर-सरकारी संस्थानों से डिप्लोमा प्राप्त लोग शामिल हैं।

मंत्री ने कहा, ह्लनोडल विभाग के तौर पर हमने रिक्त सरकारी पदों को भरने के मुख्यमंत्री के संकल्प के रास्ते में आने वाली बाधाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री की सलाह पर गतिरोध को हल करने के लिए एक प्रस्ताव शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसने भर्ती प्रक्रिया को अपनी मंजूरी दे दी।

उन्होंने दावा किया, ह्ल2005 से जब हमारे नेता ने मुख्यमंत्री का पद संभाला है, विकास सरकार का एकमात्र एजेंडा रहा है। विपक्ष को एहसास हो गया है कि विकास को स्वीकार न करना एक राजनीतिक भूल होगी और विपक्षी नेता अब इसका श्रेय लेने में व्यस्त हैं।

जदयू नेता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बुधवार को होने वाली पटना यात्रा के बारे में पूछे जाने पर कहा, ह्लवह अक्सर अपनी ही पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं। जाति जनगणना को नीतीश कुमार के दिमाग की उपज मानने से उनके इनकार किये जाने में बेईमानी की बू आती है।

सावित्री देवी मारवाड़ी बालिका उच्च विद्यालय परिसर में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
अशोक कुमार ठाकुर

अनुमंडलीय मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत सावित्री देवी मारवाड़ी बालिका उच्च विद्यालय व गैलेक्सी कॉन्वेंट
में इस वर्ष भी पूरे उत्साह और धूमधाम से सरस्वती पूजा मनाई गई। विद्यालय परिसर में एक आकर्षक पंडाल स्थापित किया गया । जिसमें विद्या की देवी माता सरस्वती की प्रतिमा को विराजित किया गया। इस दौरान विद्यालय की अध्यक्षा नीलम देवी, सचिव रश्मि कलोठिया, प्राचार्य नूतन कुमारी, विद्यालय प्रबंधन के मधु अग्रवाल,संतोष राज करिया, मधु शर्मा, राधा देवी आदि प्रबंधन की उपस्थिति में विधि विधान से मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना की गई और इसके बाद प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं में काफी उल्लास देखा गया। बड़ी संख्या में शिक्षकों के

साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। अध्यक्षता नीलम देवी ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सरस्वती पूजा का आयोजन पूरे धूमधाम से किया गया। हमारे विद्यालय में सरस्वती पूजा का बहुत महत्व है क्योंकि यहां शिक्षा , ज्ञान और कला की खोज के महत्व पर जोर दिया जाता है। पंचमी बसंत की शुरूआत का प्रतीक है। इस दिन शिक्षा, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती का जन्म हुआ था और इस प्रकार ज्ञान और कल प्राप्त करने के लिए लोग बसंत पंचमी को सरस्वती पूजन के रूप में मनाते हैं। बसंत पंचमी का प्रतीक पीला रंग है जो देवी सरस्वती का पसंदीदा रंग है इसलिए मां सरस्वती के भक्तों द्वारा पीले परिधान पहने जाते हैं। साथ ही पीला रंग सरसों की फसल के लिए कटाई के समय को दशार्ता है। पीला रंग शांति, समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक है यह सभी को आशावादी भावनाओं से भर देती है। विद्यालय के सभी 800 छात्र-छात्राओं सहित विद्यालय कमीर्यों के बीच प्रसाद वितरण के बाद पूर्व उप मुख्य पार्षद सह व्यावसायिक संघ के सचिव सुरेश प्रसाद रौशन एवं प्रबंधन के सहयोग से प्रांगण में स्नेह मिलन भोज का आयोजन किया गया।

सरस्वती पूजा में दो युवक द्वारा बुरका पहन कर डांस के वीडियो वायरल पर कार्यवाही

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
अशोक कुमार ठाकुर

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो जिसमें फुलवड़िया थानान्तर्गत धोबी टोला वार्ड नं0-20 में सरस्वती पूजा के अवसर पर दो युवकों के द्वारा बुर्का पहनकर डांस की गयी है। संबंधित मामलें में पुलिस टीम द्वारा की जा रही है कार्रवाई।

वायरल वीडियो की खबर फुलवड़िया थाना को दिनांक 04.02.25 को सूचना मिली कि फुलवड़िया गंज धोबी टोला वार्ड नं0-20 में सरस्वती पूजा पंडाल में बीते रात्रि में कुछ युवको के द्वारा मुस्लिम लड़कियो के वेश-भूषा बनाकर डांस की गयी है।प्राप्त सूचना को वरीय पदाधिकारी को अवगत कराते हुए फुलवड़िया थाने के पुलिस पदाधिकारी पु०अ०नि० मृणाल गौरव, पु०अ०नि० विनीत कुमार एवं सशस्त्र बल फुलवड़िया थाना के द्वारा सूचना अनुसार फुलवड़िया

गंज धोबी टोला वार्ड नं0-20 पहुँचकर मामले की जाँच / पड़ताल की गयी।आसपास उपस्थित स्थानीय लोगों एवं सरस्वती पूजा के लाइसेंस धारक से पुछताछ करने पर बताया गया कि बीते रात्रि सरस्वती पूजा के अवसर पर नुक्कड़ नाटक का कार्यक्रम किया गया था, उसी दौरान कुछ गाने भी बजाये गये जिस पर दो युवको के द्वारा बुर्का पहनकर डांस किया गया था।

तत्पश्चात पुलिस टीम के द्वारा चिन्हित करते हुए दोनों युवकों को एवं सरस्वती पूजा के लाइसेंसधारी के विरूद्ध निरोधात्मक एवं बाण्ड डाउन की प्रक्रिया कराते हुए विधि सम्मत आवश्यक अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। विधि व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया वसंत पंचमी छात्र छात्रों में दिखा विशेष उत्साह

राष्ट्र संवाद संवाददाता
पूजा सिंह

साहेबपुर कमाल प्रखंड क्षेत्रों में वसंत पंचमी के अवसर पर दो दिवसीय विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा धूमधाम व हर्षोल्लास से की गई। विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों शिक्षण संस्थानों कार्यालयों एवं सार्वजानिक स्थलों पर पंडालों में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की गई। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना की गई। प्रसाद का भी वितरण किया गया । कुछ सार्वजानिक स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस पर्व को लेकर छात्र छात्रों में विशेष उत्साह देखा गया। नवयुवक

सरस्वती संघ परोरा में 1983 से मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जा रही है।युवा जे एम एस एस ठाकुरवाड़ी में मां शारदे की आकर्षक प्रतिमा स्थापित कर पूजा की गई।चंडिका स्थान में भव्य पंडाल में मां सरस्वती विराजमान हुई है। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहे श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की । वसंतोत्सव के अवसर पर बच्चों के बीच दो दिवसीय नृत्य संगीत एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सरस्वती पूजा के अवसर पर कई जगहों पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने भक्तिभाव से मां शारदे की आराधना कर विद्या का वरदान मांगा। बुद्धि और ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना के दौरान प्रखंड क्षेत्र में भक्तिमय माहौल रहा। सोमवार की सुबह से ही मां सरस्वती के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने मां शारदे के सामने नतमस्तक होकर पूजा अर्चना में लीन दिखे। मिट्टी की बनी इन प्रतिमाओं में कहीं मां कमल के फूल पर विराजमान थीं तो कहीं हंस पर सवार थी। पूजा पंडालों में जश्न का माहौल दिखा। इस मौके पर जयेश सिंह पीयूष सिंह अभिषेक सिंह रौशन सिंह निशांत सिंह अंशु सिंह विक्की सिंह सहित सभी समिति के सदस्यों ने खुशी जाहिर की।

अज्ञात ऑटो की ठोकर से वृद्ध व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी, घटना बरियारपुर पश्चिमी गांव के समीप एस एच 55 की

राष्ट्र समाज संवाददाता

खोदावंदपुर/बेगूसराय। अज्ञात ऑटो की ठोकर से एक वृद्ध व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया.घटना की सूचना मिलते ही दर्जनों लोगों की भीड़ गयी और इसकी सूचना खोदावन्दपुर पुलिस को दिया. सूचना मिलते ही पुअनि अंजली भारद्वाज पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की गहन जांच पड़ताल करने में जुट गयी और जख्मी वृद्ध को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खोदावन्दपुर में भर्ती कराया, जहां वह इलाजरत है. यह घटना बेगूसराय रोसड़ा मुख्य पथ एस एच 55 पर बरियारपुर पश्चिमी पंचायत के गाछी टोल के समीप घटी. इस घटना में छौड़ाही प्रखंड क्षेत्र के इजराहा गांव निवासी शिवनंदन यादव के 65 वर्षीय पुत्र हरिकिशुन यादव के रुप में बताया जा रहा है. स्थानीय लोगों ने बताया कि एक भिखारी पैदल जा रहा था, तभी अचानक घटनास्थल के निकट एक ऑटो की चपेट में आ गया, जिससे वृद्ध भिखारी गंभीर रूप से जख्मी हो गया.

भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर की जयंती पखवाड़ा मनाई गई

राष्ट्र संवाद संवाददाता

भगवानपुर /बेगूसराय भगवानपुर प्रखंड के पंचायत महेशपुर गाँव महेशपुर के काली स्थान में जन नायक कपूर्री ठाकुर जयंती पखवाड़ा का इस कार्यक्रम का आयोजन युवा राजद जिला उपाध्यक्ष दिलीप यादव ने आयोजन किया कार्यक्रम की अध्यक्षता व संचालन राजद के प्रखंड अध्यक्ष रणधीर वर्मा ने किया.

कार्यक्रम की शुरूआत लोक गायक जागेश्वर दास के क्रांतिकारी गीतों के द्वारा हुई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. तनवीर हसन ने जन नायक कपूर्री ठाकुर के साथ बिताए पल को याद करते हुए कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि युवावस्था में जननायक कपूर्री ठाकुर जी के सानिध्य में काम करने का अवसर मिला. कपूर्री जी स्वभाव में महान संत एवं सादगी के प्रतीक थे. उन्होंने सातवीं से दसवीं तक की शिक्षा मुफ़्त की. जिससे गरीब, पिछड़े, दलित के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर सके.

डॉ. तनवीर हसन ने बिहार की वर्तमान जदयू-भाजपा की सरकार की नाकामियों को भी उजागर किया. उन्होंने कहा कि बिहार की डबल इंजन की सरकार फेल हो चुकी है. नीतीश जी स्मृतिलोप के शिकार हो चुके हैं. उनकी मानसिक हालत ठीक नहीं है. इसलिए वे बराबर महिलाओं को लेकर ऊलजलूल टिप्पणी करते रहते हैं. उन्होंने आने वाले समय ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने की भी बात कही. और कहा कि अगर तेजस्वी यादव की सरकार बनती है तो माय-बहिन योजना के तहत बिहार की सभी महिलाओं को 2500 रुपये दिए जायेंगे.

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ. उर्मिला ठाकुर, बिहार विधान परिषद सदस्य, ने कपूर्री ठाकुर जी को याद करते हुए कहा कि दुनिया में जिन लोगों ने भी न्याय और सामाजिक बराबरी की लड़ाई लड़ी है, उन्हें काफी प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा है. इसी बिहार में जब बिहार लेनिन जगदेव बाबू ने नारा दिया सौ में नब्बे शोषित है, नब्बे भाग हमारा है, तो बिहार के

सामंतों ने गोली मार कर उनकी हत्या कर दी. इसी तरह से कपूर्री ठाकुर ने जब पिछड़े वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए आरक्षण दिया और उनके अधिकार एवं आत्मसम्मान की लड़ाई को आगे बढ़ाया तो उन्हें गालियाँ दी गईं और जगह-जगह अपमानित किया गया.

उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार सरकार की भी आलोचना की. उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने बिहार के साथ धोखाधड़ी किया. बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया है. लेकिन बिहार में जब तेजस्वी यादव सरकार में आए तो लाखों युवाओं को नौकरियाँ दीं. जाति-जनगणना जैसे परिवर्तनकारी काम को पूरा किया.

राजद के जिलाध्यक्ष मोहित यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिन सामंती वर्गों के द्वारा आज आदरणीय लालू प्रसाद जी को गाली दिया जा रहा है, उसी के द्वारा जन नायक कपूर्री ठाकुर को भी अपमानित किया. आज वही लोग सत्ता में बैठे हैं और कपूर्री जो को सम्मान देने का ढोंग कर रहे हैं. गरीब अतिपिछड़े समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं.

राजद युवा प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेश यादव ने आज बिहार में युवाओं पर हो रहे अत्याचार की मुखालफत करते हुए कहा कि आज बिहार की सरकार तानाशाह हो चुकी है. वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं है. इंटरउ के छात्र महीनों से पेपर लीक के खिलाफ लड़ रहे हैं. वे पुनः परीक्षा की माँग कर रहे हैं. लेकिन सरकार सकारात्मक कदम उठाने को तैयार नहीं है. उन्होंने आगे कहा कि यही युवा आने वाले विधानसभा चुनाव में जदयू भाजपा की सरकार को सबक सिखाएँगे और उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएँगे.

इस अवसर पर गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के अपमान और भाजपा के संविधान विरोधी मानसिकता के खिलाफ पूरे जिले में आमजन में बाबा साहब के संदेश को फैलाने के लिए 'अम्बेडकर रथ' को भी आगत अतिथियों के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया.

कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के आयोजक राजद के युवा जिला उपाध्यक्ष दिलीप यादव ने किया. कार्यक्रम में राजद के प्रदेश महासचिव डॉ. अशोक यादव, युवा जिलाध्यक्ष फैजुर्रहमान, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सहनी, जिला प्रधान महासचिव रामसखा महतो, पंचायत अध्यक्ष शंभू यादव, मो. मासूम खान, साहेब पासवान, प्रभात कुशवाहा, श्याम प्रसाद दास, अरुण यादव, सुनील यादव, उपेंद्र यादव, शिवकुमार यादव, कामेश्वर यादव, नीतीश कुमार, रामानंद यादव, विकास पासवान, योगेन्द्र महतो, श्रीमल राय के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थित थे.

सार-संक्षेप

सड़क दुर्घटना में एक वृद्ध घायल

अनुमंडलीय अस्पताल में चिकित्सा के बाद सीटी स्कैन के लिए बेगूसराय भेजा गया

राष्ट्र संवाद(ब्यूरो बेगूसराय)अशोक कुमार ठाकुर

तेघड़ा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 28 आधारपुर ढ़ाला के पास मंगलवार के दोपहर मे एक वृद्ध व्यक्ति बाइक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के ग्रामीणों ने घायल वृद्ध को इलाज के लिए स्थानीय अनुमंडलीय अस्पताल तेघड़ा पहुंचाया। जहां डॉ संजय चौधरी एवं अन्य चिकित्सकों के इलाज के बाद सीटी स्कैन के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेजा गया। घायल की पहचान भगवानपुर थाना अंतर्गत बुढ़ी बन निवासी स्वर्गीय बुधन साह के 70 वर्षीय पुत्र रामबालक साह के रूप में की गई । प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामकृष्ण एवं डॉक्टर डॉक्टर संजय चौधरी ने बताया कि। घायल का हालत खतरे से बाहर है। उचित इलाज किया गया है लेकिन सर में चोट आने की वजह से बेगूसराय सदर अस्पताल सीटी स्कैन के लिए भेज दिया गया है।

143 तेघड़ा विधानसभा में 1279 मतदाताओं का उम्र 90 वर्ष से अधिक, जांच करेंगे BLO

राष्ट्र संवाद(ब्यूरो बेगूसराय)अशोक कुमार ठाकुर

1 जनवरी को प्रकाशित हुए मतदाता सूची में विधानसभा क्षेत्र तेघड़ा में 90 वर्ष और उससे अधिक आयु के कुल 1279 वोटरों के नाम दर्ज है। ऐसे में संदेह होने पर इसकी पुष्टि के लिए निर्वाचन विभाग के निदेशक अनुसार अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी तेघड़ा राकेश कुमार ने मंगलवार को बीएलओ की बैठक अटल कलाम पंचायत समिति भवन तेघड़ा में आयोजित की उन्होंने निर्देश दिया कि आगामी विधानसभा 2025 को देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सभी बीएलओ को 90 एवं 90 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं का सत्यापन करने का निर्देश दिया उन्होंने कहा ब्लू वैसे मतदाता जिनकी आयु 90 वर्ष पूरी हो चुकी है या उससे अधिक है वह जीवित हें। कि नहीं इसकी स्थलीय जांच करेंगे साथ ही अगर उनकी आयु 90 वर्ष से अधिक नहीं है और मतदाता सूची में 90 वर्ष से अधिक दर्शाई गई है तो वैसे मतदाताओं का अभिलंब प्रपत्र 8 भरते हुए उम्र सुधार करना सुनिश्चित करेंगे। मौके पर प्रखंड के सभी बीएलओ एवं निर्वाचन कार्यालय के अमामुल उल हक मौजूद थे।

दिव्यांग बच्चों की जांच के लिए 7 फरवरी को लगेगा विशेष शिविर

राष्ट्र संवाद संवाददाता

खोदावंदपुर,बेगूसराय। खोदावन्दपुर एवं छौड़ाही प्रखंड क्षेत्र में 06 से 18 आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों की जांच के लिए आगामी 7 फरवरी को बीआरसी खोदावंदपुर में शिविर लगाया जायेगा. इस शिविर में श्रवण, दृष्टि, मानसिक, अस्थि दिव्यांग बच्चों का मूल्यांकन किया जायेगा. साथ ही उचित परामर्श भी दिया जायेगा. इसकी जानकारी देते हुए बीआरपी समावेशी शिक्षा नीलम कुमारी ने बताया कि बिहार शिक्षा परियोजना, बेगूसराय के सौजन्य से इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया है. उन्होंने बताया कि इस शिविर में दिव्यांग बच्चों को अपने साथ दो फोटो, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र एवं फोटोयुक्त प्रमाण-पत्र लाना अनिवार्य होगा.

खोदावन्दपुर में राजस्व वसूली के लिए पंचायतवार लगेगा विशेष शिविर

खोदावंदपुर,बेगूसराय। राजस्व वसूली के लिए पंचायतवार विशेष शिविर लगाया जायेगा.इस शिविर को सफल बनाने के लिए कर्मियों और पंचायत प्रतिनिधियों को जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है. इस संदर्भ में अंचल अधिकारी खोदावंदपुर कार्यालय से निर्गत पत्र के आलोक में 04 फरवरी को सागी, 05 को दौलतपुर, 06 को बाड़ा, 07 को बरियारपुर पूर्वी, 08 फरवरी को बरियारपुर पश्चिमी, 10 को फफौत, 11 फरवरी को खोदावंदपुर एवं 13 फरवरी को मेघौल पंचायत में राजस्व वसूली के लिये विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा. इस शिविर को सफल बनाने के लिए कृषक सलाहकार, डाटा ऑपरेटर, पंचायत रोजगार सेवक, आंगनबाड़ी सेविका, आशा कार्यकर्ता, कार्यपालक सहायक के अलावे वार्ड सदस्य, पंच आदि को रैयतों को जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गयी है. इसकी जानकारी अंचल अधिकारी प्रीति कुमारी ने दी है.

भगवानपुर प्रखंड में सदस्यता अभियान का आरम्भ

राष्ट्र संवाद संवाददाता

भगवानपुर/बेगूसराय ज्ञान निकेतन शिक्षण संस्थान बसही में प्रखंड स्तरीय राजद कार्यकत्तओं की एक बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष रणधीर वर्मा ने की. इस बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य दिनेश चौरसिया ने कहा कि पार्टी में खासकर युवाओं को जोड़ने पर बल दिया जाय एवं सदस्यता अभियान को सुचारु रूप से चलाते हुए लगभग पांच हजार कार्यकताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई जाय. मौके पर बछवाड़ा विधानसभा के राज प्रतिनिधि जाहिद अफसर, किसान प्रकोष्ठ के नेता कामेश्वर यादव, प्रखंड उपाध्यक्ष जयदेव शाह, युवा नेता जिला उपाध्यक्ष दिलीप यादव, नीतीश कुमार एवं पंचायत अध्यक्ष शंकर सहनी, रमेश महतो, शंभू यादव, नीरज कुशवाहा, मो. आरिफ, राम प्रवेश यादव एवं दर्जनों नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थिति थे.

रेलवे संवेदक के घर हुई चोरी मामले में पुलिस ने चोरी का सोना व चांदी किया बरामद

किशनगंज।पुलिस ने एक बड़ी चोरी का खुलासा करते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। 25 जनवरी को आरएन चौधरी के घर से हुई चोरी के मामले में पुलिस ने पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। गुप्त सूचना के आधार पर 3 फरवरी को पुलिस ने मुख्य आरोपी बप्पी सिंह के घर छापेमारी की। बप्पी सिंह पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र के बीरबलडांगी का रहने वाला है।पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने बताया कि आरोपी के घर के पीछे जमीन की खुदाई की, जहां से एक स्टील का कैन मिला। कैन से बरामद सामान में 4,367 ग्राम (करीब 4.3 किलो) चांदी के गहने और अन्य सामान, 119.93 ग्राम सोने के आभूषण, और 66.5 ग्राम डायमंड शामिल हैं। बरामद किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपए आंकी गई है।

पंजीयन संख्या :JHAHIN01092 स्वामी , प्रकाशक , मुद्रक व संपादक देवानंद सिंह द्वारा अमन प्रिंटर , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर - 3 से मुद्रित तथा अमन पब्लिकेशन राष्ट्र संवाद , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर -3 झारखंड से प्रकाशित फोन : 0657 - 2341060 /2344002 मो:09431179542 /09102339999 / 07739802044 / 09334823893

राष्ट्र संवाद की रजत जयंती समापन वर्ष के अभिराम यात्रा पर हार्दिक शुभकामनाएं

सोना देवी विश्वविद्यालय

घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम

वार्षिक प्रतिवेदन: 2024-25

1. विश्वविद्यालय का उद्भव

भारत सरकार की नई शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन में झारखण्ड सरकार सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उसी क्रम में झारखण्ड सरकार ने विशेष रूप से माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी तथा घाटशिला प्रमंडल के विधायक एवं मंत्री श्री रामदास सोरेन जी द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पहल करते हुए कई एक नए कदम उठाए हैं जिसमें आदिवासी बहुल जिलों में नए नए सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों को प्रारम्भ करना भी है। सोना देवी विश्वविद्यालय, घाटशिला उसी प्रक्रिया का एक उदाहरण है तथा यह विश्वविद्यालय झारखण्ड राज्य के उच्च शिक्षा जगत का एक उभरता हुआ सूरज हैं जिसे झारखण्ड सरकार ने अपने अधिनियम, 5, वर्ष 2023 दिनांकः17-02-2023 के तहत पारित कर आदिवासी ग्रामीण क्षेत्र में 09-03-2023 को स्थापित किया है तथा इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, भारत सरकार ने यूजीसी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 2(d) के अन्तरगत भी 25-05-2023 को स्वीति प्रदान की है। झारखण्ड राज्य के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा माननीय प्रभाकर सिंह जी को, जो सोना देवी मेमोरियल एजुकेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट के चेयरमैन तथा सोना देवी विश्वविद्यालय के संस्थापक भी है, को सोना देवी विश्वविद्यालय का प्रथम कुलाधिपति दिनांकः 29-09-2023 को नियुक्त किया गया, इसके बाद विधिवत विश्वविद्यालय का क्रियाकलाप प्रारम्भ हुए। माननीय प्रभाकर सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय से खुद उच्च शिक्षा पाकर, अपने ज्ञान का क्रियान्वयन करते हुए समाज के उद्धार के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सोना देवी विश्वविद्यालय की स्थापना कर एक अपूर्व कार्य किया है।

2. विश्वविद्यालय की दृष्टि

सोना देवी विश्वविद्यालय की दृष्टि , मूल्य आधारित गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा, शोध, नमवोन्वेष एवं विभिन्न रचनात्मक क्रिया कलापों एवं मेधावी खोज के माध्यम से एक ज्ञानवान समाज का निर्माण कर प्रवुद्ध एवं ज्ञानवान नागरिकता विकसित करना है जिससे कि व्यक्तियों, राज्य, राष्ट्र तथा बृहत्तर विश्व में शान्ति, उन्नति एवं समृद्धि स्थापित हो सके ।

3. विश्वविद्यालय के उद्देश्य

रचनात्मक एवं आलोचनात्मक चिन्तन का संवर्धन कर, दृढ चरित्र का निर्माण कर, मूल्य आधारित उच्च शिक्षा को बढ़ावा देकर, पारदर्शी कार्य संस्ति एवं नैतिकता को विकसित कर झारखण्ड तथा उसके निकटवर्त्ती राज्यों, देश के लोगों में आत्मनिर्भरता लाने, उनका सर्वांगीण एवं सातत्य विकास करने के लिए सोना देवी विश्वविद्यालय अपनी बहु आयामी शिक्षण व्यवस्था के माध्यम से एक ज्ञानवान समुदाय ध समाज का निर्माण करना चाहता है। शिक्षण के वैज्ञानिक (शुद्ध) एवं व्यावहारिक क्षेत्र में अध्यापन, अनुसंधान एवं नवोन्वेष के माध्यम से उत्टता का वातावरण विकसित कर जिसमें सामाजिक समानता, समता, मानवीय एवं लोकतांत्रिक मूल्यों तथा समावेशी सामाजिक आर्थिक विकास, समुदाय तक पहुँच की पहल, वैज्ञानिक क्रिया कलापों तथा प्रौद्योगिकीय उन्नति आदि का समावेश कर सोना देवी विश्वविद्यालय अपने इस उद्देश्यको प्राप्त करने का प्रयास करेगा। विश्वविद्यालय के लोगो **विद्या लभते पुरुषार्थचतुष्टयाम** में भी हमारी यही विजन एवं मिशन परलक्षित होता है।

4. विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह

सोना देवी विश्वविद्यालय का मूलमंत्र **विद्या लभते पुरुषार्थचतुष्टयाम्** अर्थात उच्च एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करने से चारों पुरुषार्थ - अर्थ, काम, धर्म और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वर्तमन परिपेक्ष्य में सोना देवी विश्वविद्यालय, घाटशिला इस मूलमंत्र के साथ छात्र - छात्राओं का उच्च शिक्षा के माध्यम से भविष्य गढ़ने की ओर अग्रसर है। लोग चिराग, दीप जलाकर घर को रोशन करते है, लेकिन आज सोना देवी विश्वविद्यालय, घाटशिला ज्ञान का मशाल जलाकर समाज को रोशन बनाने का काम कर रहा है।

5. विश्वविद्यालय परिस्पर में उपलब्ध संरचनात्मक साधन एवं सुविधाऐं

सोना देवी विश्वविद्यालय कैंपस 20 एकड़ में फैला हुआ है जिसमें शिक्षा की गुणवत्ता को विश्व स्तरीय स्वरुप देने का प्रयास किया जा रहा है। पूरा कैंपस वाई फाई है, कई एक डिजिटल क्लास रूम है, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, कम्प्यूटर लैब, पुस्तकों, अद्यतन शोध जनरलों, पत्रिकाओं मैगजीन आदि से सुसज्जित केन्द्रीय पुस्तकालय, राष्ट्रीय स्तर के ख्याति लब्ध संकाय सदस्य, छात्रा- छात्राओं के लिए अलग -अलग अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित छात्रावास, छात्र- छात्राओं के अलग-अलग कोमन रूम, मनोरंजन कक्ष, योग एवं मेडिटेशन कक्ष, ओडोटोरियम, खेल कूद की अद्यतन सुविधाएं तथा खेल मैदान उपलब्ध है। छात्र छात्राओं हेतु इंडस्ट्रियल विजिट के लिए बस की व्यवस्था, कैंटीन तथा कैफेटेरिया की व्यवस्था है, इसके साथ - साथ छात्र- छात्राओं को बहरागोड़ा, जमशेदपुर, मुसाबनी, जादुगोड़ा से विश्वविद्यालय तक आने एवं जाने के लिए बस व्यवस्था विश्वविद्यालय के तरफ से उपलब्ध हैं।

6. विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक स्कूल एवं पाठ्यक्रम

सोना देवी विश्वविद्यालय में अभी 10 निम्नलिखित स्कूल कार्यरत हैः

1. सूचना प्रौद्योगिकी एवं कम्प्यूटर विज्ञान स्कूल
2. अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल
3. वाणिज्य एवं प्रबंध विज्ञान स्कूल
4. विज्ञान स्कूल
5. मानविकी एवं समाज विज्ञान स्कूल
6. फॉरमेसी स्कूल
7. कृषि विज्ञान स्कूल
8. योग एवं प्रातिक चिकित्सा स्कूल
9. स्कूल ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स
10. अनुसंधान एवं विकास स्कूल

जिनमें इस सत्र 2023 -24 से 39 पाठ्यक्रमों की पढ़ाई हो रही है। इसके साथ - साथ, सोना देवी विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 से उपरोक्त वर्णित स्कूलों में अनेक विषयों में विद्या वाचस्पति (पी एच डी) की पढ़ाई भी प्रारंभ हो चुकी है। वर्तमान में झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कुल 6 राज्यों के 580 से अधिक छात्र - छात्राऐं, 3 पदाधिकरी - कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, 26 प्राध्यापक एवं 40 कर्मचारी विश्वविद्यालय में अध्ययन - अध्यापन में रत है। हमारे सभी पदाधिकारी, प्राध्यापकगण देश एवं झारखण्ड की श्रेष्तम प्रतिभाऐं हैं एवं ख्यातिलब्ध शिक्षाविद है।

7. विश्वविद्यालय में उपलब्ध छात्रवृति सुविधाऐं

सत्र 2024 -25 से मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए सोना देवी विश्वविद्यालय में एक करोड़ रूपये तक की छात्रवृत्ति का प्रावधान है। इसके साथ - साथ सभीST,SCतथा OBC छात्र - छात्राओं को झारखण्ड सरकार की तरफ से दी जानी वाली ई-कल्याण छात्रवृति भी प्रदान की जाती है। इसके अलावा, विश्व महिला दिवस 9 मार्च, 2024 के अवसर पर महिला छात्राओं को उनके वार्षिक शुल्क में 50% की छूट भी प्रदान की गयी है।

8. विश्वविद्यालय द्वारा देश एवं विदेश के विभिन्न संस्थानों संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन

छात्र - छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता, ज्ञान के संवर्धन हेतु तथा विधार्थियों को रोजगार प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोना देवी विश्वविद्यालय ने देश एवं विदेश के निम्नलिखित संस्थानों संगठनों के साथ अभी तक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किये हैः

1. थाईलैण्ड विश्वविद्यालय, बैंकाक , थाईलैण्ड के साथ समझौता ज्ञापन
2. बिहार राज्य मत्स्य सहकारी महासंघ , पटना के साथ समझौता ज्ञापन
3. बीम आउटसोर्सिंग सर्विसेज एल एल पी , नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन
4. साइबरडोजो अलायन्स अहमदाबाद, (गुजरात) के साथ समझौता ज्ञापन
5. मिडलैंड रीजनल फोरेंसिक सर्विसेज एंड वाईकाटो हॉस्पिटल, न्यूजीलैण्ड के साथ समझौता ज्ञापन

इसके साथ -साथ, सोना देवी विश्वविद्यालय पाठयक्रम के अनुसार देश-विदेश की विभित्र प्रतिष्ठित कम्पनीयों, संस्थाओं, संगठनों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों आदि जो छात्र छात्राओं को पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद रोजगार प्रदान करा सकें, उनके साथ सतत संपर्क में हैं और हमें पूरी आशा, विश्वास है कि सोना देवी विश्वविद्यालय से पढ़कर निकलने वाले सभी मेधावी छात्र- छात्राओं को 100% जॉब प्लेसमेंट मिलेगा।

9. सोना देवी विश्वविद्यालय द्वारा छात्र - छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु आयोजित कार्यक्रमों का सक्षिप्त विवरण

सोना देवी विश्वविद्यालय में छात्र छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु नियमित व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। विभिन्न प्रकार के कौशलों, दक्षताओं के विकास हेतु छात्र- छात्राओं के लिए समूह चर्चा, वाद विवाद प्रतियोगिता, क्विन प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, वृक्तत्व प्रतियोगिता, मक साक्षात्कार, लेखन - गायन प्रतियोगिता,रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैली, स्वयं Event, Seminar Conference, Workshop आयोजित करना आदि कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किये जाते है। सोना देवी विश्वविद्यालय में प्रक्षिशित योग एवं खेल -कूद प्राध्यापकों द्वारा खेल-कूद, स्पोर्ट्स का प्रशिक्षण, योग की कक्षाऐं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। इस सत्र 2024-2025 में आयोजित मुख्य कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः

1 .विशिष्ट व्यक्तित्व के व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान माला का आयोजन

प्रो. चंद्रेश्वर खान, भूतपूर्व डी जी एम, टेल्को, ख्यातलब्ध मैनेजमेंट गुरुः30-08-2024
हिज ग्रेस नाम प्रेम प्रभु जी, अध्यक्ष, इस्कॉन, धनबादः 02-09-2024

2 .सप्ताह पखवाड़ों का आयोजन

1)हिंदी पखवाड़ाः14-28 सितम्बर, 2024
2)विश्व भेषज सप्ताहः 25-27 सितम्बर, 2024
3) स्वछता पखवाड़ाः 02-10 अक्टूबर, 2024
4) खेल-कूद सप्ताह का आयोजनः 09-12 दिसंबर, 2024

3 .दिवसों का आयोजन

1) विश्व युवा कौशल दिवसः16-07-2024
2) विश्व पर्यावरण दिवसः 30-07-2024
3) शिक्षक दिवसः05-09-2024
4) विश्व फार्मासिस्ट दिवसः 25-09-2024
5) संविधान दिवसः26-11-2024

4. शिविरों का आयोजन

1) नेत्र जाँच शिविरः31-01-2024
2) रक्त दान शिविरः10-06-2024
3) योग शिविरः 09-12-2024

5. सेमिनार वर्कशॉप एवं कुछ अन्य कार्यक्रमों का आयोजन

1) वृक्षारोपण कार्यक्रमः30-07-2024 एवं 12-09-2024
2) नऐ विद्यार्थियों एवं उनके अभिवावकों हेतु इंडक्शन कम ओरिएंटेशन प्रोग्रामः 08-08-2024
3) शोध प्रविधि, रिसर्च पेपर राइटिंग एवं पब्लिकेशन विषय पर चार दिवसीय कार्यशालाः 09 से 12 सितम्बर, 2024
4) दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के तत्वावधान में हिन्दी दिवस के मौके पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन, डॉ रागिनी प्रिया : 14 सितम्बर, 2024
5) दो दिवसीय भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयाम - सिद्धांत एवं प्रवृतियाँ विषय पर अंतराष्ट्रीय अंतर्विषयक संगोष्ठीः 29, 30 दिसंबर, 2024 देवघर में।

6. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम

1) कम्बल वितरण कार्यक्रम (Ex DGM Rajiv Ranjan, माननीय रामदास सोरेन की उपस्थिति में लगातार पिछले 3 वर्षों से)
2) निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर (भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी और राममनोहर लोहया सेवा सदन अस्पताल के साथ लगातार पिछले 3 वर्षों से)

7. विश्वविद्यालय का भविष्य के लिए आयोजन

विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं को भविष्य में और अधिक बेहतर एवं गुणवंता पूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने, नवोन्मेष तथा अनुसंन्धान कार्यों को बढ़ावा देने के लिए सोना देवी विश्वविद्यालय आगे आने वाले समय में अपने Infra-structure facilities मे, जैसे hostel for boys & girls में सुधार करेगा तथा शिक्षा के क्षेत्र में -B.Ed/DI.Ed, कानून शिक्षा की पढ़ाई हेतु LLB, different Paramedical Courses तथा Nursing आदि नऐ पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने तथा वर्तमान कोर्सेज में संवर्धन एवं सुधार करेगा जिससे कि यह विश्वविद्यालय उत्तर भारत में एक राष्ट्रीय स्तर का प्राइमियर विश्वविद्यालय बन सके तथा यहाँ पढ़ने वाले छात्र - छात्राएँ , भारत सरकार की Startup India, stand up India, Atal innovation mission प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, , Digital India जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभा कर झारखण्ड राज्य का नाम दुनिया में रोशन कर सकें। छात्र -छात्राओं को बेहतर नागरिक बनाने हेतु विश्वविद्यालय में National Credit - Core (NCC), National Service Scheme (NSS) जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम सन 2025-26 यानी अगले सत्र से प्रारम्भ हो जायेंगे क्योंकि इस दिशा में क्रियान्वयन हो चुका है Indoor, Outdoor स्टेडियम तथा जिमिनेशियम बनने के बाद विश्वविधालय राज्य एवं राष्ट्र स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिताओं को भविष्य में यहाँ आयोजित करेगा जिससे कि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी विकसित हो सकें। क्षेत्र के लोगों के साथ बेहतर, मधुर सम्बन्ध बनाने, उनकी समस्याओं के समाधान में मदद करने तथा छात्रों को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्रिया कलापों में Involve कर उन्हें ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से सोना देवी विश्वविद्यालय में University - Community Interface Programme (UCIP)Cell का गठन किया जाएगा। छात्र- छात्राओं के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु विश्वविद्यालय में Dispensary-क्षेत्र के ग्रामीण लोगों को पैथोलजी के क्षेत्र में निशुल्क सुविधा प्रदान की जायेगी जिससे कि विश्वविद्यालय के साथ ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोग जुड़ सकें। Mental Health Clinic एवं Educational & Vocational Guidance Centre की स्थापना सोना देवी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं रोजगार, परामर्श एवं मार्गदर्शन हेतु निकट भविष्य में की जायेगी। भविष्य में सोना देवी विश्वविद्यालय, क्षेत्र के आदिवासी ग्रामीण युवाओं के लिए विभिन्न ज्वलन्त मुद्दों जैसे स्वास्थ्य, पोषण, सफाई एवं स्वच्छता, शिक्षा, रोजगार सृजन के अवसरों की पहचान कर परियोजना निर्माण करना, मानवीय एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षण, खेलकूद के महत्व, पर्यावरण संरक्षण, (जल, जंगल, जानवर, जमीन, जलवायु, जैविक विविधता आदि के संरक्षण एवं प्रबंधन), वनोउत्पाद प्रसंस्करण द्वारा रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास मछली पालन, बकरी पालन, मुर्गा पालन, मशरुम उत्पादन एवं विपणन जैसे विषयों पर जागरूकता शिवरों, कार्यक्रमों का नियमित आयोजन करेगा जिससे कि ग्रामीण आदिवासी युवाओं के पलायन को रोक कर उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा में लाकर उनके सार्थक विकास में योगदान दिया जा सके जिसके कि वे राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका अदा कर सकें। आगे आने वाले समय में सोना देवी विश्वविद्यालय इस तरह के विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम,कार्यक्रम- जैसे कि संगीत, चित्रकला, हस्तशिल्प, हस्तकला, नाटय कला, वाद्य यंत्र, लेखन, कविता गायन, पर्वतारोहण, सिलाई, कढाई- बुनाई, टाइपिंग, मोटर ड्राइविंग, कृषि, वागवानी, डेयरी, पर्यावरण संरक्षण, एग्रो - प्रसंस्करण, ब्यूटी पार्लर, मोवाइल रिपेयरिंग, टूर एवं ट्रेविल का संचालन, कंप्यूटर कोर्स आदि भी बहुत ही काम फीस के साथ शुरू करेगा जिससे कि आदिवासी युवा वर्ग अपने घर पर रहते हुए न केवल रोजगार सृजन कर सकेंगे बल्कि वे अपने आस पास के स्थानीय, संसाधनों का कार्यक्षम उपयोग कर उनके सातत्य विकास की प्रक्रिया में अहम् भूमिका निभा सकेंगे।

जय हिन्द, जय भारत, जय झारखण्ड